हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, शुक्रवार, 24 अक्तूबर 2025 | अंक 14/ वर्ष 7 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या आप जोडे के दर्द से परेशान ही ?

•जोडों का दर्द •गठियावात •सन्धिशोध •सरवाइकल पेन

पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन 9112079000 / 8605245080

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

तीनों सेनाओं के लिए 79 हजार करोड़ की मंजूरी

नई दिल्ली.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा खरीद परिषद की गुरुवार को नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक में हुई बैठक में लगभग 79,000 करोड़ के कई प्रमुख हथियार और उपकरणों को मंजूरी दी गई, जिससे सेना, नौसेना और वायुसेना की क्षमता और आत्मनिर्भरता दोनों को बढ़ावा मिलेगा। सेना के लिए मंजूर प्रमुख प्रस्तावों में ट्रैक्ड एनएएमआईएस /नाग एमके-II टैंक-विरुद्ध मिसाइल और उसके लॉन्चर के बड़े ऑर्डर, ग्राउंड-बेस्ड मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस सिस्टम तथा हाई-मोबिलिटी व्हीकल्स जिनमें मटेरियल हैंडलिंग क्रेन शामिल हैं, जिससे सीमाई इलाकों में घातक क्षमता और लॉजिस्टिक सपोर्ट दोनों मजबूत होंगे। नौसेना के लिए भी कई अहम प्रणालियाँ मंजूर हुईं. लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक प्रकार के जहाज, 30 एमएम नेवल सरफेस गन, एडवांस्ड लाइटवेट टॉरपीडो, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल इन्फ्रा -रेड सर्च- एंड-ट्रैक सिस्टम और 76एमएम सुपर-रैपिड गन के लिए स्मार्ट एम्यूनिशन जो समुद्री रक्षा, पीस-टाइम और पनडुब्बी रोधी क्षमता दोनों में वृद्धि करेंगी। वायुसेना के लिए स्वीकृत प्रमुख प्रस्तावों में कोलैबोरेटिव लॉन्ग-रेंज टारगेट सैचुरेशन/डिस्ट्रक्शन सिस्टम जैसे ड्रोन-आधारित लंबी दूरी के लक्ष्य निष्पादन प्लेटफॉर्म शामिल हैं, जो बिना पायलट के टोही तथा सर्जिकल स्ट्राइक क्षमता बढ़ाएंगे और मल्टी-डोमेन ऑपरेशन्स को सशक्त बनाएंगे। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि ये खरीदियाँ न केवल अग्रिम सीमाओं पर मुँह-बंद क्षमता देंगी बल्कि देश की रक्षा उत्पादन श्रृंखला और 'आत्मनिर्भर भारत' को भी मजबूती देंगी, जिससे भविष्य में विदेश निर्भरता घटाने में मदद मिलेगी। थलसेना को मिलेगी नई ताकत, थलसेना के लिए स्वीकृत नाग मिसाइल सिस्टम एमके-II दुश्मन के टैंकों, बंकरों और अन्य किलेबंद ठिकानों को नष्ट करने में सक्षम है। यह मिसाइल सिस्टम 'ट्रैक्ड वर्जन' में होगा, जिसे कठिन इलाकों में भी आसानी से तैनात किया जा सकेगा।

ग्राउंड बेस्ड मोबाइल सिस्टम सेना को दुश्मन की रेडियो तरंगों और इलेक्ट्रॉनिक उत्सर्जनों की 24 घंटे निगरानी की क्षमता देगा, जिससे खुफिया जानकारी जुटाने की गति और सटीकता बढ़ेगी। वहीं हाई मोबिलिटी व्हीकल्स से रसद आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा, जिससे सैनिकों तक भारी सामान और उपकरण कठिन भौगोलिक इलाकों में भी पहुंचाए जा सकेंगे। नौसेना की बढ़ेगी समुद्री शक्ति: भारतीय नौसेना के लिए डीएसी ने लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स, 30 मिमी नेवल सरफेस गन, एडवांस्ड लाइट वेट टॉरपीडो, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल इंफ्रारेड सर्च एंड ट्रैक सिस्टम और स्मार्ट गोला-बारूद की खरीद को मंजूरी दी है। इन आधुनिक प्रणालियों से नौसेना की उभयचर युद्धक क्षमता और समुद्री निगरानी शक्ति में जबरदस्त सुधार होगा।

लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स से नौसेना को थलसेना और वायुसेना के साथ मिलकर उभयचर अभियानों को अंजाम देने में मदद मिलेगी। वहीं, एडवांस्ड लाइट वेट टॉरपीडो को डीआरडीओ की नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला ने विकसित किया है। ये पारंपरिक, परमाणु और छोटे पनडुब्बियों को निशाना बना सकता है। इसके अलावा 30 मिमी नेवल सरफेस गन से नौसेना और कोस्ट गार्ड को समुद्री डकैती और कम तीव्रता वाले समुद्री अभियानों में मजबूती मिलेगी। वायुसेना को मिलेगा अत्याधुनिक सिस्टम: भारतीय वायुसेना के लिए कॉलैबोरेटिव लॉन्ग रेंज टारगेट सैचुरेशन/ डिस्ट्रक्शन सिस्टम और अन्य अत्याधुनिक प्रणालियों की खरीद को मंजूरी दी गई है। यह सिस्टम स्वचालित टेकऑफ, लैंडिंग, नेविगेशन और लक्ष्य क्षेत्र में सटीक हमला करने की क्षमता रखता है।

इससे वायुसेना की रणनीतिक हमलावर क्षमता और सटीकता में भारी बढ़ोतरी होगी। आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम: रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इन सभी प्रस्तावों से भारत की रक्षा क्षमताएं न केवल आधुनिक होंगी बल्कि स्वदेशी निर्माण को भी बढ़ावा मिलेगा। कई प्रणालियां देश में ही विकसित की जाएंगी, जिससे 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के उद्देश्यों को बल मिलेगा। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इन परियोजनाओं के लागू होने से भारत की तीनों सेनाएं एक नई ऊंचाई पर पहुंचेंगी और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार होंगी।

नौसेना को मिली स्वदेशी तकनीक से बनी पहली एंटी-सबमरीन: भारत की नौसैनिक शक्ति को मजबूती देने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने भारतीय नौसेना को स्वदेशी रूप से निर्मित पहली एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट 'माहे' को सौंप दिया है। यह आठ युद्धपोतों की श्रृंखला में पहला जहाज है, जिसे गुरुवार को कोच्चि में औपचारिक रूप से नौसेना को डिलीवर किया गया।

पानी के बिल में बड़ी राहत

एलपीएससी योजना से 3,600 परिवारों को मिला फायदा

नई दिल्ली. पानी के पेंडिंग बिलों पर एरियर माफी योजना की घोषणा के बाद से अब तक 3635 लोगों ने बिल का भुगतान किया है। इससे जल बोर्ड के खाते में करीब 6.56 करोड़ रुपये आए हैं। जिन लोगों ने अब तक बकाया बिलों का भुगतान किया है, उन्हें करीब 9.17 करोड़ रुपये की छूट मिली है। दिल्ली सरकार में जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि सरकार का मकसद लोगों को बकाया बिलों के भुगतान के लिए प्रोत्साहित करना है। इस योजना के लागू होने के बाद से ही लोगों का काफी समर्थन मिल रहा है। हर जोनल ऑफिस में लोग उत्साह के साथ बकाया बिलों के भुगतान के लिए आ रहे हैं। मंत्री ने कहा कि माफी योजना का मकसद उपभोक्ताओं को भारी जुर्माने के बोझ से राहत देना था. योजना की घोषणा के महज दो-तीन दिनों में ही 3600 से अधिक लोगों ने पेंडिंग बिलों पर एरियर का भुगतान किया है। इससे न केवल जल बोर्ड के रेवेन्यू में इजाफा हो रहा है, बल्कि लोगों पर भी बकाया बिलों का जो भार था वह कम हो रहा है। जल मंत्री ने कहा कि माफी योजना से जो पैसे जल बोर्ड के खाते में आएंगे उससे दिल्ली में वॉटर सप्लाई सिस्टम को दुरुस्त किया जाएगा, ताकि लोगों को पर्याप्त पानी मिल सके।

हादसे में 3 की मौत, कैमरे में कैद हुआ खौफनाक मंजर

अमेरिका में भारतीय ट्रक ड्राइवर ने कई कारों को रौंदा

वॉशिंगटैंग.

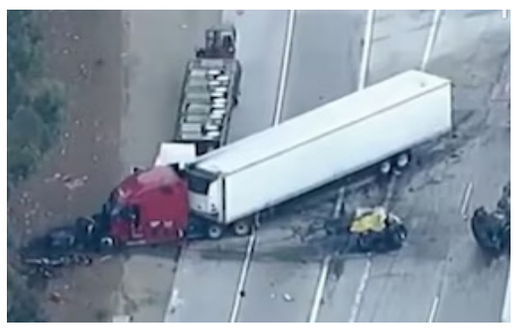

अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया में एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई. इस हादसे के लिए 21 वर्षीय भारतीय युवक जसनप्रीत सिंह को जिम्मेदार ठहराया गया है, जो अवैध रूप से अमेरिका में रह रहा था. पुलिस के अनुसार, वह नशे की हालत में ट्रक चला रहा था, जिससे यह दुर्घटना हुई. आरोपी ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है. यह हादसा सैन बर्नार्डिनो काउंटी फ्रीवे पर हुआ, जब जसनप्रीत सिंह का सेमी-ट्रक धीमी गति से चल रही गाड़ियों से जा टकराया. ट्रक के डैशकैम में हादसे का वीडियो कैद हुआ, जिसमें ट्रक एक कार से टकराता दिखा.

इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए. पुलिस जांच में पाया गया कि जसनप्रीत ने ब्रेक तक नहीं लगाए और वह ड्रग्स के असर में गाड़ी चला रहा था. कैलिफोर्निया हाईवे पेट्रोल अधिकारी रोड्रिगो जिमेनेज ने बताया, उसे अस्पताल ले जाया गया और मेडिकल जांच में साबित हुआ कि वह नशे में था.' अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने पुष्टि की है कि जसनप्रीत सिंह के पास अमेरिका में वैध इमिग्रेशन स्टेटस नहीं है. वह कथित तौर पर 2022 में दक्षिणी सीमा पार कर अमेरिका में दाखिल हुआ था और 'नजरबंदी के विकल्प' नीति के तहत देश के अंदर छोड़ दिया गया था. अब उसकी गिरफ्तारी के बाद यूएस इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट ने उसके खिलाफ इमिग्रेशन डिटेनर जारी किया है. यह घटना पहली नहीं है. अगस्त 2024 में भी हरजिंदर सिंह नाम के एक अन्य भारतीय प्रवासी ने फ्लोरिडा के फोर्ट पीयर्स में एक ट्रक हादसा किया था, जिसमें तीन लोगों की मौत हुई थी. वह भी 2018 में गैरकानूनी तरीके से अमेरिका में दाखिल हुआ था और बाद में वहां से कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस हासिल किया था.

बिहार का कुख्यात गैंग सरगना रंजन पाठक समेत 4 ढेर

नई दिल्ली. दिल्ली का रोहिणी इलाका बुधवार आधी रात उस वक़्त गोलियों की तड़तडाहट से गूंज उठा, जब दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच और बिहार पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन में कुख्यात सिग्मा एंड कंपनी गैंग से मुठभेड़ हो गयी. दोनों और से हुई जबरदस्त गोलीबारी में चारों को गोली लगी, जिन्हें रोहिणी स्थित डॉ. बी.आर. अंबेडकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. इसमें गैंग का सरगना रंजन पाठक भी शामिल है. पुलिस के मुताबिक ये गैंग बिहार विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में दहशत फैलाने की फिराक में था, लेकिन दोनों राज्यों की पुलिस के मिले इनपुट के बाद इन्हें सफल नहीं होने दिया गया. पुलिस एनकाउंटर में मारे गए चारों बदमाश बिहार से नेपाल तक सक्रिय थे, और कई वारदातों को अंजाम दे चुके थे. बता दें कि सिग्मा एंड कंपनी के सरगना रंजन पाठक ने सीतामढ़ी में एक मशहूर व्यक्ति की हत्या के बाद मीडिया को अपना बायोडाटा भेजा था.

जोगेश्वरी की एक गगनचुंबी इमारत में लगी आग

मुंबई.

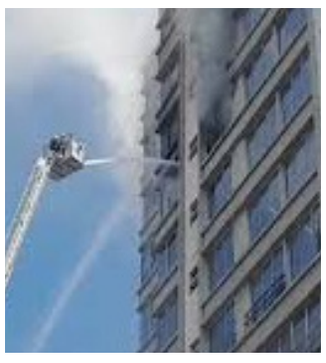

मुंबई के आगजनी की बड़ी घटना सामने आई है। गुरुवार को जोगेश्वरी वेस्ट इलाके की एक बिल्डिंग में भीषण आग लग गई। आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की यह घटना जीएमएस बिजनेस सेंटर में लगी। इसके बाद तुरंत दमकल को सूचना दी गई। आग बिजनेस सेंटर की ऊपरी हिस्से में लगी। टॉप फ्लोर में आग लगने के बाद लोग फंस गए। इस घटना का एक वीडियो सामने आया है। इसमें लोग बिल्डिंग में मौजूद दिख रहे हैं। दमकल द्वारा आग को बुझाया जा रहा है। आग बिजनेस सेंटर में कैसे लगी। अभी इसके कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। मुंबई में आगजनी की यह बड़ी घटना ऐसे वक्त पर सामने आई है जब मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के वाशी और कामोठे में आग से 6 लोगों की मौत हुई है। नवी मुंबई में भीषण अग्निकांड से एक परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई थी। घर में आग 2 सिलेंडर फटने से भड़की थी। वाशी में आग कॉम्पलेक्स की 10वीं मंजिल पर लगी थी। इसके बाद आग 11वीं और 12 मंजिल तक फैल गई थी। मुंबई अक्सर आगजनी की घटनाओं और अपर्याप्त इंतजामों को लेकर कई बार बॉम्बे हाईकोर्ट नाराजगी व्यक्त कर चुका है।

झुग्गियों में लगी भीषण आग

नई दिल्ली. दिवाली की रौनक के बीच दिल्ली-एनसीआर में कई जगहों पर आग की घटनाओं ने खुशी के माहौल में खलल डाल दिया. आतिशबाज़ी, बिजली की लापरवाही और तंग बस्तियों में सुरक्षा इंतज़ामों की कमी के कारण राजधानी में कई इलाकों में आग भड़क उठी.

ताजा मामला दिल्ली के गीता कॉलोनी का है. जहां रानी गार्डन इलाके की झुग्गियों में देर रात आग लग गई. अग्निशमन विभाग को रात करीब 1:05 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद मौके पर दमकल की आठ गाड़ियां भेजी गईं. अग्निशमन अधिकारी यशवंत सिन्हा ने बताया कि आग झुग्गियों और कबाड़ के गोदाम में लगी थी. कुल मिलाकर लगभग 15 से 20 झुग्गियां आग की चपेट में आईं. अधिकारियों ने बताया कि आग पर काबू पाने का प्रयास जारी है और फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है. घटना स्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है. बता दें कि वहीं बुधवार को ही गाजियाबाद में देर शाम एक रिहायशी बिल्डिंग में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया. इंदिरापुरम के शक्ति खंड 2 स्थित प्लॉट नंबर 188 पर बनी 5 मंजिला इमारत में अचानक आग लग गई.

आग ग्राउंड फ्लोर पर लगी थी. आप इतनी भयंकर थी कि कुछ देर में लपटें ग्राउंड फ्लोर से ऊपर के फ्लोर की तरफ बढ़ी और ऊपर के फ्लोर्स को भी अपने चपेट में ले लिया. जानकारी के मुताबिक दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं.

फिलहाल फायर ब्रिगेड के अधिकारी बचाव कार्य में लगे हुए हैं. मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल के मुताबिक 22 अक्टूबर की रात तकरीबन 8:30 बजे अग्निशमन विभाग को वैशाली फायर स्टेशन पर सूचना प्राप्त हुई थी कि शक्ति खंड दो स्थित एक अपार्टमेंट में आग लग गई है. तुरंत घटना स्तथ पर फायर स्टेशन वैशाली और साहिबाबाद से फायर टेंडर को रवाना किया गया. काला पत्थर और अटल चौक से भी फायर टेंडर को मौके पर भेजा गया. फायर विभाग की तकरीबन 5 गाड़ियों ने मौके पर जाकर आग बुझाने का काम शुरू किया. तकरीबन एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है. फिलहाल इमारत में भरे हुए धुएं को अग्निशमन विभाग द्वारा बाहर निकलने का काम किया जा रहा है. सभी लोग सुरक्षित हैं किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई है. आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है.

अब खरसाली में होंगे मां के दर्शन; भाई शनि-यमराज से मांगा था विशेष वरदान

यमुनोत्री धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद

उत्तरकाशी.

उत्तराखण्ड के चारधाम के पहले तीर्थधाम यमुनोत्री के कपाट भैयादूज के पावन पर्व पर आज विधिविधान और वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिये गए। इसके बाद मां यमुना की डोली उनके शीतकालीन प्रवास खरशाली गांव के लिए रवाना हो गई। गुरुवार सुबह परंपरागत तरीके से खरशाली गांव से मां यमुना के भाई शनिदेव महाराज की डोली अपनी बहन को लेने यमुनोत्री धाम पहुंची। तीर्थ पुरोहितों ने वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ मां यमुना का श्रृंगार कर पूजा -अर्चना की और प्रदेश और देश की खुशहाली के लिए प्रार्थना भी की। इसके बाद शुभ लग्न 12 बजकर 30 मिनट पर यमुनोत्री धाम के कपाट बंद कर दिये। तत्पश्चात मां यमुनाजी की डोली स्थानीय वाद यंत्रों के साथ अपने मायके और शीतकालीन प्रवास खरशाली गांव के लिए रवाना हुई। खरशाली गांव के ग्रामीण अपनी बेटी मां यमुना का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब अगले छह महीने तक मां यमुना के दर्शन उनके शीतकालीन प्रवास खरशाली गांव में ही होंगे। इस मौके पर यमुनोत्री मंदिर समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल, सचिव सुनील उनियाल, कोषाध्यक्ष प्रदीप उनियाल, सुरेश उनियाल, गिरीश उनियाल,भागीरथी घाटी प्रधिकरण के उपाध्यक्ष राम सुन्दर नौटियाल, क्षेत्रीय विधायक, थानाध्यक्ष बड़कोट दीपक कठैत, राजस्व कर्मचारी और महावीर पंवार आदि मौजूद थे। सदियों से विशिष्ट परंपरा के वाहक बने हैं खरशाली के वासी, उत्तरकाशी जिले में स्थित यमुनोत्री धाम अनेक धार्मिक परंपराओं और मान्याताओं को स्वयं में समेटे हुए है। सूर्यपुत्री यमुना शनिदेव की बहन है। खरसाली गांव में समेश्वर देवता के रूप में पूजे जाने वाले शनिदेव की डोली हर साल कपाट खुलने और बंद होने पर बहन की डोली के साथ जाते हैं। मान्यता है कि इस दिन स्वयं यमराज और शनिदेव अपनी बहन मां यमुना से मिलने यमुनोत्री धाम पहुंचते हैं। खरसाली के ग्रामीण सदियों से इस विशिष्ट परंपरा के वाहक बने हुए हैं। वहीं इस कारण इस पर्व का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। पुराणों के अनुसार भैया दूज के दिन यमराज और शनिदेव जब अपनी बहन यमुना से मिलने आए थे, तब मां यमुना ने दोनों भाइयों से यह वरदान मांगा कि जो भी श्रद्धालु इस दिन यमुनोत्री धाम में आकर उनके पवित्र जल में स्नान करेगा, जल का पान करेगा या पूजन-अर्चना करेगा, उसे यम यातनाओं से मुक्ति मिलेगी। उसे शनि की साढ़ेसाती के कष्टों से राहत और भगवान श्रीकृष्ण व हनुमान की विशेष कृपा प्राप्त होगी। इसी पौराणिक विश्वास के चलते हर वर्ष भैया दूज पर यमुनोत्री धाम में हजारों की संख्या में तीर्थयात्री पहुंचते हैं।

नोएडा एयरपोर्ट की सुरक्षा हुई हाईटेक

नोएडा. उत्तर प्रदेश के जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अब देश के सबसे सुरक्षित हवाई अड्डों में गिना जाएगा. यहां अब अत्याधुनिक सुरक्षा तकनीक लगा दी गई है, जिससे बिना अनुमति किसी भी वाहन या व्यक्ति का अंदर प्रवेश करना लगभग नामुमकिन हो गया है. एयरपोर्ट प्रशासन ने क्रैश रेटेड बॉलार्ड सिस्टम को सक्रिय कर दिया है, जो किसी संदिग्ध वाहन को कुछ ही सेकंड में रोकने या नष्ट करने की क्षमता रखता है. जानकारी के मुताबिक, एयरपोर्ट के पूर्वी और पश्चिमी दोनों प्रवेश द्वारों पर यह हाईटेक सुरक्षा प्रणाली लगाई गई है. इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि कोई भी अनधिकृत व्यक्ति या वाहन परिसर में दाखिल न हो पाए. यह पूरी व्यवस्था अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के अनुसार तैयार की गई है. सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ को दी गई है.

फिलहाल 120 जवानों की तैनाती की गई है और एयरपोर्ट के शुरू होते ही यह संख्या बढ़ाकर 1047 जवानों तक कर दी जाएगी. ये जवान पूरे एयरपोर्ट परिसर की सुरक्षा पर नजर रखेंगे. इसके लिए 350 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे और एआई तकनीक से लैस हाई रेजोल्यूशन कैमरे लगाए गए हैं, जो हर गतिविधि पर लगातार नजर रखेंगे. क्रैश रेटेड बॉलार्ड सिस्टम सड़क के नीचे लगे मजबूत लोहे के खंभों से बना होता है.

सीएम का चेहरा होंगे तेजस्वी, मुकेश सहनी उपमुख्यमंत्री

> महागठबंधन की प्रेस कॉन्फ्रेंस में हुआ ऐलान

पटना.

पटना में गुरुवार की दोपहर सवा 12 बजे महागठबंधन ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का चेहरा और वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया। इसके साथ ही महागठबंधन ने एनडीए पर राजनीतिक दबाव भी बढ़ा दिया है। कांग्रेस ऑब्जर्वर अशोक गहलोत ने कहा कि सभी दलों ने मिलकर फैसला किया है कि तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया जाएगा और सरकार बनने पर दो उपमुख्यमंत्री होंगे, जिनमें एक मुकेश सहनी होंगे। गहलोत ने एनडीए को चुनौती देते हुए पूछा कि जब महागठबंधन ने अपना चेहरा स्पष्ट कर दिया है, तो एनडीए अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा कब करेगा? आरजेडी नेता और अब महागठबंधन के सीएन फेस तेजस्वी यादव ने दावा किया कि वे सत्ता हासिल करने नहीं, बल्कि बिहार को संवारने आए हैं। उन्होंने कहा कि अमित शाह कई बार कह चुके हैं कि चुनाव के बाद विधायक दल मुख्यमंत्री तय करेगा, जो पहले कभी नहीं हुआ। तेजस्वी ने सवाल उठाया कि आखिर एनडीए नीतीश कुमार को सीएन फेस क्यों घोषित नहीं कर रहा है? राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो महागठबंधन ने अपना कार्ड खेलकर भाजपा को मुश्किल में डाल दिया है, क्योंकि भाजपा इस बार नीतीश को खुलकर आगे करने से हिचकिचा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार अगर दबाव बढ़ा तो एनडीए को मजबूरी में अपना चेहरा सामने लाना पड़ सकता है। महागठबंधन द्वारा मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम फेस बनाना सामाजिक समीकरणों को साधने की रणनीति माना जा रहा है। सहनी मल्लाह/केवट समाज से आते हैं, जिनकी संख्या बिहार में 2.6% है और 30–35 सीटों पर उनका प्रभाव माना जाता है। पत्रकारों का कहना है कि सहनी भले ही चुनाव न लड़ रहे हों, लेकिन उन्हें बड़ा पद देकर उनके समाज में यह संदेश दिया गया है कि महागठबंधन उनके नेता का सम्मान करता है। यह कदम तब उठाया गया, जब वीआईपी की एक सीट पर नामांकन रद्द और एक उम्मीदवार ने नाम वापस ले लिया था, जिससे नुकसान नियंत्रण की जरूरत थी। गौरतलब है कि लंबे समय तक महागठबंधन तेजस्वी को सीएम फेस घोषित करने से बचता रहा था। मार्च से अगस्त तक चली आठ बैठकों में भी उनका नाम नहीं आया, बल्कि उन्हें केवल चुनाव समन्वय समिति का अध्यक्ष बनाया गया। कांग्रेस नेताओं ने भी लगातार यही कहा कि समय आने पर फैसला होगा।

आज से पहले सिर्फ कांग्रेस सांसद अखिलेश सिंह ही तेजस्वी को सीएम फेस के रूप में लगातार प्रोजेक्ट करते रहे। हालांकि, नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद सीट बंटवारे की औपचारिक घोषणा नहीं होने से महागठबंधन में मतभेद की खबरें भी आती रहीं और अब भी 11 सीटों पर मैत्रीपूर्ण मुकाबले की स्थिति बनी हुई है। महागठबंधन के इस ऐलान के बाद अब बड़ी नजर एनडीए की ओर है। भाजपा और जेडीयू गठबंधन में नीतीश कुमार को लेकर अनिश्चितता का माहौल बन गया है। अमित शाह पहले ही कह चुके हैं कि मुख्यमंत्री का फैसला विधायक दल करेगा। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि एनडीए तेजस्वी के इस चुनौतीपूर्ण दांव का जवाब कैसे देता है। चुनाव में कुछ ही दिन बचे हैं और बिहार की राजनीति एक बार फिर बेहद गर्म हो चुकी है।

रणवीर-दीपिका की लाडली बनी 1315 करोड़ संपत्ति की वारिस

बॉलीवुड के पावरफुल कपल माने जाने वाले रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने अपनी बेटी दुआ की पहली तस्वीर दिवाली के मौके पर सोशल मीडिया पर शेयर की. साल 2024 में 8 सितंबर को जन्मी दुआ अब एक साल की हो चुकी हैं और पहली बार उनके प्यारे से चेहरे की झलक दुनिया को देखने को मिली.

दीपिका ने अपने इंस्टाग्राम पर एक खास तस्वीर पोस्ट की, जिसमें रणवीर और दीपिका अपनी बेटी को प्यार से निहारते नजर आ रहे हैं. तस्वीर में रणवीर अपनी बेटी को गोद में थामे हुए मुस्कुरा रहे हैं और दीपिका प्यार से उसे देख रही हैं. दुआ की मासूम मुस्कान ने फैंस का दिल जीत लिया है. बता दें कि एक साल की दुआ करोड़ों की संपत्ति की उत्तराधिकारी हैं. आइए जानते दुआ के मम्मी-पापा दीपिका और रणवीर कितने अमीर हैं. दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह दोनों ही फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार्स हैं. फिल्मों के अलावा दोनों ने ऐड्स, ब्रांड एंडोर्समेंट्स और बिज़नेस इन्वेस्टमेंट्स से भी करोड़ों की कमाई की है. रणवीर सिंह ने साल 2010 में फिल्म बैंड बाजा बारात से डेब्यू किया था. उसके बाद से उन्होंने कई हिट फिल्में दी हैं. रणवीर को उनके अनोखे फैशन और एनर्जी के लिए जाना जाता है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रणवीर की कुल संपत्ति लगभग 415 करोड़ रुपये है.

वहीं दीपिका पादुकोण का नाम भारत की सबसे महंगी और सफल एक्ट्रेसेज़ में आता है. सिर्फ फिल्मों से ही नहीं, बल्कि वो एक एंडोर्समेंट के लिए 8 करोड़ रुपये तक चार्ज करती हैं. कई बड़े ब्रांड्स की एंबेसडर रहने वाली दीपिका ने कई फैशन और हेल्थ स्टार्टअप्स में निवेश भी किया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी कुल संपत्ति 900 करोड़ रुपये से ज्यादा है.

अगर रणवीर और दीपिका की ज्वाइंट नेटवर्थ की बात करें, तो दोनों मिलाकर कपल लगभग 1315 करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक हैं. ऐसे में उनकी एक साल की बेटी दुआ इस भारी-भरकम दौलत की उत्तराधिकारी बन गई हैं.

कैंसर से जंग में टूटी दीपिका कक्कड़

- झड़ते बालों ने बढ़ाया दर्द

लंबे समय से टीवी इंडस्ट्री से दूर रह रही एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने सेलिब्रिटी 'मास्टर शेफ' के जरिए इंडस्ट्री में अपना कमबैक किया लेकिन बाद में हेल्थ इश्यूज के वजह से उन्हें बीच में ही शो छोड़ना पड़ा. इसके बाद से दीपिका कक्कड़ को इसी साल मई के महीने में लीवर कैंसर स्टेज 2 डिटेक्ट हुआ था. एक्ट्रेस ने पहले ट्यूमर की सर्जरी करवाई थी जिसके बाद से उनका कैंसर ट्रीटमेंट जारी है. दीपिका कक्कड़ का कैंसर ट्रीटमेंट अब 1.5 साल तक चलने वाला है. इस बीच उनकी सेहत सिर्फ बिगड़ती ही जा रही है. अब वो रेगुलर चेकअप करवा रही हैं और इसी के साथ उन्होंने अपने व्लॉग के जरिए फैंस को अपना हेल्थ अपडेट दिया है. अपने यूट्यूब चैनल पर दीपिका कक्कड़ ने लेटेस्ट व्लॉग में फैंस के साथ हेल्थ अपडेट शेयर किया है.

दीपिका ने बताया है कि रुटीन ब्लड टेस्ट करवाने के बाद उनके रिपोर्ट्स सामने आ गए हैं जिसमें उनके थायराइड लेवल्स में बढ़ौतरी देखने को मिली. कैंसर ट्रीटमेंट के वजह से उनका हाल बेहाल हो चुका है. इसके साथ ही माउथ अल्सर और हेयरफॉल को लेकर भी उन्होंने अपना दुख जाहिर किया. व्लॉग में दीपिका ने कहा- 'मेरी ब्लड रिपोर्ट्स आ चुकी हैं, मुझे हाइपर थायराइडिज्म तो पहले से ही था. जब मेरी थैरेपी शुरू हुई तब डॉक्टर ने मुझे थायराइड लेवल्स को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी थी. लेकिन अभी बीते कुछ दिनों से मुझे काफी ब्लोटिंग, मूड स्विंग और थकान जैसा हो रहा है. माउथ अल्सर भी दो दिनों में काफी बढ़ गए हैं.

'होमबाउंड' से छाए विशाल जेठवा

विशाल जेठवा ने छोटे पर्दे पर जलवा बिखेरने के बाद बॉलीवुड में कदम रखा. एक्टर को 'भारत का वीर पुत्र महाराणा प्रताप' जैसे शो में देखा जा चुका है. उसके बाद 'मर्दानी' और 'सलाम वेंकी' में पावर पैक परफॉर्मेंस दी.अब उनकी फिल्म 'होमबाउंड' को ऑस्कर की ऑफिशियल एंट्री के रूप में चुना गया है.विशाल बेहद खुश हैं क्योंकि उनकी मेहनत रंग लाई है. हाल ही में एक्टर ने अपने स्ट्रगल के दिनों के बारे में खुलकर बात की है.एक्टर ने बताया कि मेरे पिता के निधन के बाद मेरी मम्मी काम वाली बाई भी रही हैं. विशाल ने कहा, 'हमारा सबसे बुरा दौर तब था जब हम लोग मलाड के चॉल वाले घर पर रहते थे और मम्मी-पापा पर बहुत सारा कर्ज हो गया था.उस कर्ज को चुकाने के लिए हमें अपना घर बेचना पड़ा और उसके बाद भी हम सिर्फ 20 प्रतिशत कर्ज ही उतार पाए थे. 'एक्टर ने कहा कि हम लोग मलाड से मीरा रोड किराए के घर पर शिफ्ट हो गए थे. मेरे पिता मशीन पर काम करते थे, मगर बिल्डिंग में आवाज के कारण वो भी बंद करना पड़ा. मेरे पिता ने नारियल पानी भी बेचा है.बियर बार के लिए सींग-चने के पैकेट भी बनाए हैं.विशाल ने कहा कि वो खुद बियर बार के सींग-चने के पैकेट बनाने में पिता की मदद करते थे. वो उस दौरान काफी छोटे थे.

विशाल ने कहा कि उन्हें स्ट्रगल के दिनों के बारे में बात कर अच्छा नहीं लगता.क्योंकि किसी को ये ना लगे कि उस दिनों को मैं भुना रहा हूं. मगर हम लोगों ने बहुत बुरा दौर देखा है.

10 साल के बच्चे ने मांगी बिग बी से माफी

'सदी के महानायक' अमिताभ बच्चन अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपने फैंस का मनोरंजन अपने क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' से भी करते हैं. फिलहाल वो इसका 17वां सीजन होस्ट कर रहे हैं. अक्सर ही उनके शो पर कुछ ऐसे मजेदार मोमेंट्स होते हैं जो चर्चा का विषय बन जाते हैं. हालांकि अक्सर कुछ ऐसा भी देखने को मिलता है, जिसकी लोगों को बिल्कुल उम्मीद नहीं रहती है.

अमिताभ बच्चन के शो का कंटेस्टेंट हाल ही में एक 10 साल का बच्चा इशित भट्ट बना था. इस बच्चे ने हॉट सीट पर बैठने के बाद बिग बी के साथ बुरा बर्ताव किया था. जब अमिताभ उसे खेल के नियम समझाने लगे थे तो उसने रूखे लहजे से कहा था कि उसे नियम पता हैं और वो बार-बार बिग बी को बीच में टोक भी रहा था. उसके इस वयवहार की खूब आलोचना हुई थी. अब उस बच्चे ने अपनी गलती और बुरे बर्ताव के लिए दिग्गज एक्टर से माफी मांगी है. उसने बताया कि उसे अपने व्यवहार पर पछतावा है और वो घबरा गया था.

इशित भट्ट वाले एपिसोड से जुड़ी एक क्लिप सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है. उसमें इशित बिग बी से फोटो के लिए रिक्वेस्ट करते हुए नजर आ रहा है. इसके बाद बिग बी बच्चे के साथ तस्वीर क्लिक करवाते हैं. इस वीडियो को @ ईशित_भट्ट_ओफ़फिशिअल नाम के इंस्टाग्राम हैंडल से शेयर किया गया था. हालांकि, इस पेज को अब हटा लिया गया है. हालांकि उसका कैप्शन काफी वायरल हो रहा है.

इसके कैप्शन में लिखा गया था, "सभी को नमस्कार, मैं कौन बनेगा करोड़पति में अपने व्यवहार के लिए तहेदिल से माफी मांगना चाहता हूं. मुझे पता है कि मेरे बोलने के तरीके से कई लोग आहत या निराश हुए होंगे, और मुझे इसका बहुत पछतावा है. उस पल, मैं घबरा गया और मेरा रवैया बिल्कुल गलत निकला. मेरा इरादा असभ्य होने का नहीं था. मैं अमिताभ बच्चन सर और पूरी केबीसी टीम का बहुत सम्मान करता हूं.

राघव का रोमांटिक बर्थडे विश

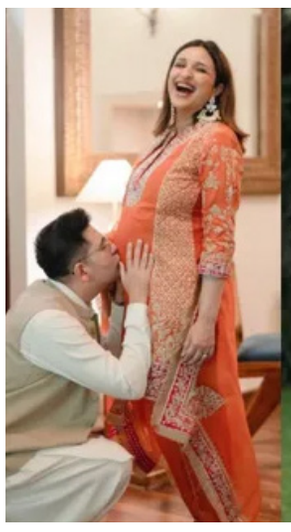

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं. पहली बार मां बनने के बाद ये एक्ट्रेस का पहला बर्थडे है. ऐसे में उनके पति राघव चड्ढा ने उन्हें खास अंदाज में बर्थडे विश किया है. राघव चड्ढा ने परिणीति चोपड़ा के साथ अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें एक्ट्रेस अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं. राघव चड्ढा ने अपने इंस्टाग्राम पर परिणीति चोपड़ा के साथ अपनी चार तस्वीरें शेयर की हैं. पहली फोटो में एक्ट्रेस ऑरेंज कलर का सूट पहने बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए पोज दे रही हैं. वहीं राघव उनके बेबी बंप को चूमते नजर आ रहे हैं. बाकी तीन तस्वीरों में परिणीति और राघव व्हाइट शर्ट-टीशर्ट में ट्विनिंग करते दिख रहे हैं.

इन फोटोज में कभी राघव चड्ढा परिणीति के बेबी बंप पर हाथ रखकर पोज दे रहे हैं तो कभी एक्ट्रेस के साथ मस्ती करते नजर आ रहे हैं. इन खास तस्वीरों के साथ राघव चड्ढा ने परिणीति चोपड़ा के लिए स्पेशल नोट भी लिखा है. उन्होंने कैप्शन में लिखा- 'शहर की सबसे न्यू और सबसे बेस्टेस्ट मॉमी को जन्मदिन की शुभकामनाएं. गर्लफ्रेंड से लेकर पत्नी और फिर हमारे नन्हे बेटे की मां बनने तक का ये सफर कितना अद्भुत रहा है.'बता दें कि परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा इसी महीने पेरेंट्स बने हैं. एक्ट्रेस ने 19 अक्टूबर को एक बेटे को जन्म दिया था जिसकी जानकारी खुद कपल ने सोशल मीडिया पर दी थी. उन्होंने लिखा था- 'वो आखिरकार आ गया है! हमारा प्यारा बेटा. और हमें सचमुच पहले की जिंदगी याद नहीं! बाहें भरी हुई हैं, हमारे दिल और भी भरे हुए हैं. पहले हम एक-दूसरे के साथ थे, अब हमारे पास सब कुछ है.

वरुण धवन ने बेटी संग शेयर की थी तस्वीर

फिर कर दी डिलीट

दिवाली के मौके पर दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने अपनी बेटी दुआ का चेहरा रिवील कर फैंस को तोहफा दिया था. वहीं भेड़िया एक्टर वरुण धवन ने भी त्योहार पर अपनी बेटी लारा की झलक शेयर की. हालांकि उन्होंने अपनी लाड़ली का चेहरा रिवील नहीं किया. वहीं बाद में उन्होंने इंस्टा से अपनी पोस्ट भी डिलीट कर दी.

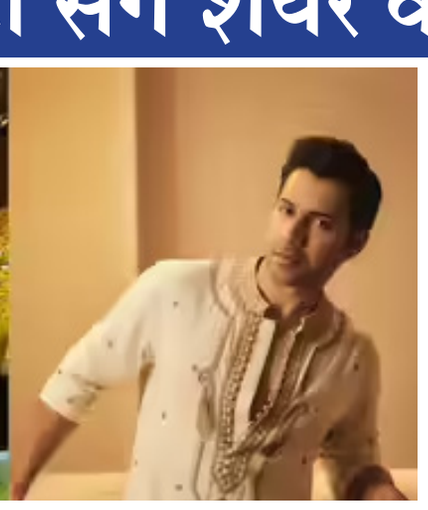

वरुण धवन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी बेटी लारा के साथ प्यारी तस्वीर शेयर की थी. फोटो में वरुण अपनी बेटी को थामे हुए भगवान की मूर्ति के आगे प्रार्थना कराते नजर आ रहे हैं. वहीं तस्वीर में एक्टर की लाडली का चेहरा दिखाई नहीं दे रहा है, लेकिन फिर भी फैंस लारा की झलक देखकर ही खुश हो गए हैं. एक फैन ने लिखा, "आह, आखिरकार लारा के साथ की पोस्ट आ गई." एक अन्य ने लिखा,आज इंटरनेट पर सबसे अच्छी तस्वीर, हैप्पी दिवाली और छोटी लारा. वरुण धवन ने बेटी की तस्वीर शेयर की तो फैंस उन्से उनकी नन्ही प्रिंसेस का चेहरा दिखाने की भी डिमांड करने लगे. वहीं इसके बाद एक्टर ने ऐसा कुछ किया की फैंस हैरान रह गए. दरअसल वरुण धवन ने बेटी संग शेयर की गई अपनी पोस्ट को ही डिलीट कर दिया है.

बता दें कि वरुण धवन और नताशा दलाल ने 2024 में अपनी बेटी लारा का वेलकम किया था.वरुण धवन के वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्टर हाल ही में सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में जाह्नवी कपूर संग नजर आए थे. हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास परफॉर्म नहीं कर पाई. वहीं अब एक्टर ने आयुष्मान खुराना स्टारर फिल्म थामा में कैमियो किया था. वे अपने भेड़िया के किरदार में नजर आए थे. एक्टर के पास कई और बड़ी फिल्में हैं. फिलहला फैंस वरुण धवन की अपकमिंग फिल्मों की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं.

बॉक्स ऑफिस पर थामा का कहर

आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'थामा' थिएटर्स में छा गई है. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर काबू कर लिया है और जमकर नोट छाप रही है. पहले दिन के शानदार कलेक्शन के बाद अब 'थामा' दूसरे दिन भी बॉक्स ऑफिस पर दमदार कमाई कर रही है. 'थामा' दूसरे दिन भी पिछली फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ रही है और नए रिकॉर्ड अपने नाम कर रही है. 21 अक्टूबर को रिलीज हुई 'थामा' ने पहले दिन भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 25.11 करोड़ रुपए कमाए थे. सैकनिल्क ने अब फिल्म के दूसरे दिन के कलेक्शन के शुरुआती आंकड़े भी जारी कर दिए है. रिपोर्ट की मानें तो 'थामा' ने रिलीज के दूसरे दिन अब तक (शाम 4 बजे तक) 7.12 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है.'थामा' ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर कई फिल्मों के रिकॉर्ड तबाह किए थे. अब दूसरे दिन भी आयुष्मान खुराना की फिल्म रिकॉर्ड तोड़ रही है. फिल्म ने 2025 में रिलीज हुई फिल्म 'मालिक' के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है. कोइमोई की मानें तो राजकुमार राव गैंगस्टर-ड्रामा फिल्म ने भारत में कुल 26.36 करोड़ रुपए का कारोबार किया था. 'थामा' ने इस आंकड़े को पहले ही पार कर लिया है और अब शाहिद कपूर की 'देवा' फिल्म के निशाने पर आ गई है. 'देवा' ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 33.97 करोड़ रुपए कमाए थे.मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'थामा' को आदित्य सरपोटदार ने डायरेक्ट किया है. फिल्म में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना लीड रोल में हैं. वहीं नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल भी अहम किरदार में नजर आए हैं.

सिंगर ऋषभ टंडन का 35 साल की उम्र में निधन

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक और बुरी खबर सामने आई है. पहले सिंगर जुबीन और अब ऋषभ टंडन का 35 साल की उम्र में मंगलवार को निधन हो गया है. ऋषभ के निधन की जानकारी उनके एक दोस्त ने दी है. ऋषभ अपने परिवार से मिलने के लिए दिल्ली अपने घर गए थे जहां पर हार्ट अटैक से उनकी जान गई है. ऋषभ ने ये आशिकी, इश्क फकीराना, चांद तू जैसे गाने गाए हैं. ऋषभ टंडन मुंबई में अपनी पत्नी ओलेस्या नेडोबेगोवा के साथ रहते थे. वो म्यूजिक के प्रति समर्पित कलाकार थे और एक दयालु व मिलनसार इंसान भी थे. जानवरों के प्रति उनका गहरा लगाव था. ऋषभ ने अपने करियर में संगीत और अभिनय दोनों क्षेत्रों में खास मुकाम बनाया. वह एक बेहतरीन सिंगर और संगीतकार थे. उनके कई गाने युवाओं में काफी लोकप्रिय हुए. उनका स्टेज नाम 'फकीर' था.

ऐसे हुई थी पत्नी से मुलाकात

उनकी एक्टिंग और संगीत को इंडस्ट्री में खूब सराहा गया. निधन की खबर के बाद उनके चाहने वाले सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं. ऋषभ टंडन की निजी जिंदगी की बात करें, तो उन्होंने रूस की ओलेस्या नेडोबेगोवा से शादी की. एक इंटरव्यू में ऋषभ ने बताया था कि उनकी ओलेस्या से मुलाकात उज्बेकिस्तान में अचानक हुई थी. वह उनकी डिजिटल सीरीज की लाइन प्रोड्यूसर थीं. धीरे-धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई और वे शादी के बंधन में बंध गए. उनकी पत्नी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. उनका आखिरी पोस्ट करवा चौथ सेलिब्रेशन का था.

ऋषभ ने आखिरी पोस्ट पत्नी के साथ करवाचौथ का डाला था. जिसमें वो अपनी पत्नी को छलनी से देखते हुए नजर आ रहा है. दोनों एक दूसरे के प्यार में डूबे नजर आए. ऋषभ की पत्नी ने भी अपनी ढेर सारी फोटोज शेयर की थीं.

कादर खान के डायलॉग में जिंदगी की सच्चाई

कादर खान ऐसे एक्टर और डायलॉग राइटर थे, जिन्होंने अभिनय का कोई प्रशिक्षण नहीं लिया था. उन्होंने राइटिंग का भी कोर्स नहीं किया. जो भोगा था, उसे अपने डायलॉग में लिखा. उनके डायलॉग्स में जिंदगी की हर कड़वी सचाई व्यंग्यात्मक शैली से पिरोई रहती थी. लेकिन वह शख्स जिसका बचपन मुफलिसी में बीता, कब्रिस्तान जिसकी जिंदगी का अहम हिस्सा रहा- आखिर उसने सिनेमा की दुनिया में इतनी ऊंचाई कैसे हासिल की- ये सवाल आज भी लोगों की जुबान पर हैं. फिल्मों में जितने सलीम-जावेद के डायलॉग मशहूर रहे हैं, कादर खान के डायलॉग्स भी उससे कम लोकप्रिय नहीं हैं. खासतौर पर कादर खान जो अपने लिखे डायलॉग खुद बोलते थे, उनमें तंज और आक्रोश जुदा होता था. हाल ही दिवंगत हुए कलाकार असरानी के साथ भी उन्होंने कई फिल्में की थीं.

बेलौस-बेलगाम-बेफिक्र अंदाज के चलते ही उनको हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का डायलॉग किंग भी कहा जाता है.एक्टिंग और राइटिंग दोनों में अव्वल कादर खान की जिंदगी के अहम पहलुओं पर चर्चा करें, उससे पहले एक ऐसी फिल्म की चर्चा, जिसमें उन्होंने छोटा-सा रोल निभाया था. यह फिल्म थी- मुकद्दर का सिकंदर. प्रकाश मेहरा के निर्देशन में यह फिल्म 1978 में आई थी. वैसे तो यह फिल्म अमिताभ बच्चन, रेखा, विनोद खन्ना, राखी और अमजद खान जैसे सितारों के लिए याद की जाती है लेकिन कादर खान इसमें एक ऐसे फकीर की भूमिका में दिखाई देते हैं, जो कि कब्रिस्तान में रहता है. इस फिल्म के डायलॉग कादर खान ने ही लिखे थे.

कब्रिस्तान में दिखने वाले कादर खान के किरदार का मिजाज अलहदा है. वह रिश्ते-नाते और दुनियादारी की औपचारिकताओं को समाज का आडंबर मानता है. कहा जाता है कादर खान ने निजी जिंदगी में जो-जो भोगा था, उसकी एक झलक उनके इस किरदार में दिखाई देती है. सीक्वेंस के मुताबिक कब्रिस्तान में बालक सिकंदर अपनी मुंहबोली छोटी बहन के साथ उस महिला की कब्र पर बिलख-बिलख कर रो रहा है, जिसने उसको अपना बेटा बना लिया था. तभी वहां कादर खान आते हैं और दोनों बच्चों को जिंदगी का नया पाठ पढ़ाते हैं. रोने के बदले समाज के आडंबर पर हंसने की नसीहत देते हैं.

कादर खान रोते हुए बच्चों को कब्रिस्तान के कोने-कोने में हर कब्र को दिखाते हुए कहते हैं- "देखो, इसमें भी किसी की मां है, किसी की बहन है, किसी का भाई है तो किसी का बाप है. आज न कल हर किसी की मौत की बारी है. बेटे, जिंदगी इंसान को लुत्फ उठाने के लिए मिली है. अगर सही लुत्फ उठाना है तो मौत से खेलो, सुख में हंसते हो तो दुख में कहकहे लगाओ, जिंदगी का अंदाज बदल जाएगा. बेटे, जिंदा हैं वे लोग जो मौत से टकराते हैं. मुर्दों से बद्तर हैं वे लोग तो मौत से घबराते हैं. सुख को ठोकर मार, दुख को अपना. तकदीर तेरे कदमों में होगी और तू मुकद्दर का बादशाह होगा. हंसों... ठहाके लगाओ..." इसके बाद बच्चे हंसने लगते हैं.

'एकला चलो' पर भड़की एनसीपी

बोली- बीजेपी को मिलेगा फायदा

मुंबई.

शरद पवार की एनसीपी ने कांग्रेस के 'एकला चलो' के बयान पर सवाल उठाए. एनसीपी नेता अमोल मातेले ने एक्स पोस्ट कर आरोप लगाया कि क्या कांग्रेस, भाजपा को जीताना चाहती है? मुंबई कांग्रेस में नया नारा: 'स्वबल पर लड़ेगी कांग्रेस', लेकिन सवाल उठे- किसके हित में? मुंबई कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और विधायक भाई जगताप ने आगामी महानगरपालिका चुनावों के लिए नया नारा दिया है 'स्वबल पर लड़ेगी कांग्रेस'. लेकिन इस नारे के पीछे का राजनीतिक संदेश अब चर्चा का विषय बना हुआ है. राजनीतिक हलकों में सवाल उठ रहा है कि क्या यह नारा कांग्रेस के पुनरुत्थान के लिए है, या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के फायदे के लिए? दरअसल, मुंबई की जनता ने कई बार देखा है कि कांग्रेस का हर 'स्वबल पर' नारा आखिरकार किसी अन्य दल के सहारे ही खत्म हो जाता है. इसी वजह से अब यह नारा महज एक घोषणा नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संकेत या इशारा भी माना जा रहा है. राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मुंबई की राजनीति में 'स्वबल पर' नारे से ज्यादा जरूरत जनता के लिए ईमानदार लड़ाई और विकास की नीति की है. महाराष्ट्र में अगले कुछ महीनों में कई जिलों में स्थानीय निकाय चुनाव होने हैं. कांग्रेस, शरद पवार की एनसीपी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) गठबंधन में है. मगर गठबंधन के समीकरण अब जटिल होते जा रहे हैं क्योंकि कांग्रेस अध्यक्ष भाई जगताप ने जो नारा दिया है, वह कोई नया नारा नहीं है. इससे पहले भी वह यह राग अलापते रहे हैं. मगर लास्ट में कांग्रेस गठबंधन के साथ ही मैदान में उतरती है.

हिंदी बोलने पर गार्ड पर भड़का युवक

पालघर. महाराष्ट्र में एक बार फिर भाषा विवाद जुड़ा एक मामला सामने आया है. दरअसल यहां एक युवक छत्रपति शिवाजी महाराज के वेश में वसई किले में शूट के लिए पहुंचा था, लेकिन किले में मौजूद एक गॉर्ड ने युवक को रोका तो वो भड़क गया. युवक ने गार्ड से कहा कि तुमने मराठी क्यों नहीं सीखा. यहां कितने साल काम करते हुए हो गए. जिसका गार्ड ने जबाव दिया लेकिन युवक ने कहा कि मैंने हिंदू बोलकर तुम्हारा सम्मान किया है, तुमने मराठी बोल कर मेरा सम्मान क्यों नहीं किया. इसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस हो गई और विवाद गहरा गया. दरअसल, जब युवक किले के अंदर छत्रपति शिवाजी महाराज के वेश में शूट के लिए गया तो गार्ड ने उसे रोका. युवक ने गार्ड ने कहा कि मैंने तुमको को सम्मान दिया है ना हिंदी में बात करके, तो मुझको भी तुम्हें सम्मान देना चाहिए ना महाराष्ट्र में मराठी बोल के. कितने साल हो गए तुमको यहां जॉब करते हुए.

गार्ड ने युवक से कहा कि दो साल हो गए हैं. उसने कहा कि, तो मराठी क्यों नहीं सीखा? गार्ड ने कहा, सीखेंगे सर. युवक ने भड़कचे हुए कहा, कब सीखेगा? युवक ने कहा गार्ड से कहा कि नाम दिखाओ जरा. बृजेश कुमार गुप्ता नाम है. उसने कहा कि यह आदमी एक सिक्योरिटी गार्ड है, जो हम जैसे मराठों को फोटो खींचने से रोक रहा है? हम उसका क्या करें? और वह बोलता है, मुझे मराठी नहीं आती. तुम फेमस होना चाहते हो, है ना? पहली बात तो यह कि तुम्हें मराठी नहीं आती है ना? चलो, नहीं बोल सकते. लेकिन अब तुम भाईगिरी करके इस आदमी को लाए हो. युवक ने गार्ड को धमकाते हुए कहा कि अब याद रखना.

एमवीए में दरार के संकेत, एमएनएस को लेकर बढ़ी तकरार

मुंबई. महाराष्ट्र में स्थानीय चुनाव से पहले महाविकास आघाड़ी में राज ठाकरे कि पार्टी को शामिल करने को लेकर खींचतान शुरू हो गई हैं. शिवसेना के नेतृत्व में उद्धव ठाकरे राज ठाकरे के साथ गठबंधन चाहते हैं, लेकिन कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी में इसका कड़ा विरोध हो रहा है. महाविकास आघाड़ी में शामिल कांग्रेस पार्टी के नेता भाई जगताप ने एक बड़ा बयान दिया है. मुंबई में होने वाले बीएमसी चुनावों को लेकर भाई जगताप ने कहा कि कांग्रेस आगामी बीएमसी चुनावों में एकला चलो का नारा दिया है. इस मामले में भाई जगताप ने बातचीत के दौरान बताया कि यह बातें मैंने 3 साल पहले जब मुंबई कांग्रेस का अध्यक्ष था तब भी कहा था कि कांग्रेस को अकेले चुनाव लड़ना चाहिए. पार्टी के कार्यकर्ताओं की भी मांग है. किसी भी पार्टी के साथ चुनाव न लड़ा जाए. मैंने अपनी बात कांग्रेस के आलाकमान के पास रखा है. वहीं दूसरी ओर मनसे नेता यशवंत किल्लेदार ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस को शायद डर है कि अगर राज ठाकरे का नाम लेंगे तो बिहार चुनाव में उन्हें वोट नहीं मिलेगा और मनसे ने कभी या राज ठाकरे ने कभी कांग्रेस से जाकर नहीं कहा कि हमें महाविकास आघाड़ी में शामिल करिए. कांग्रेस का वजूद खत्म हो चुका है. कांग्रेस की सीट भी नहीं आती है. कांग्रेस अपने अंदरूनी मामले को पहले देखे. इस पूरे मामले में कांग्रेस नेता वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि भाई जगताप का बयान उनका व्यक्तिगत है, लेकिन औपचारिक भूमिका ऊपरी नेतृत्व लेगा. हर पार्टी के नेता का अपना अपना पक्ष होता है. मैं मुंबई प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर बात कर रही हूं. पार्टी की जो भी औपचारिक भूमिका होगी वह आपको बता दी जाएगी. भाई जगताप का बयान उनकी निजी राय है, इस पर वरिष्ठ नेता ही फैसला लेंगे. कांग्रेस के नेताओं से साफ है कि महाविका आघाड़ी में सब कुछ ठीक नहीं है.

डिप्टी सीएम शिंदे का अन्ना हजारे को दिवाली संदेश

रालेगण. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने वरिष्ठ समाजसेवक पद्मभूषण अन्ना हजारे से वीडियो कॉल के माध्यम से संवाद किया और उन्हें दीवाली और नववर्ष की शुभकामनाएं दीं. इस दौरान अन्ना हजारे ने उपमुख्यमंत्री शिंदे से रालेगण सिद्धि आने का अनुरोध किया. सीएम शिंदे ने अन्ना की इस विनती को स्वीकार करते हुए कहा कि वे जल्द ही रालेगण सिद्धि आकर उनसे व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करेंगे. दीवाली के मौके पर उपमुख्यमंत्री के विशेष कार्य अधिकारी मंगेश चिवटे रालेगण सिद्धि पहुंचे और अन्ना हजारे से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया. इसी दौरान मंगेश चिवटे ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अन्ना हजारे के बीच वीडियो कॉल पर बातचीत भी करवाई. बातचीत के दौरान अन्ना हजारे समेत रालेगण सिद्धि के ग्रामवासियों ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से गांव का दौरा करने की विनती की. ग्रामस्थों की इस अपील पर एकनाथ शिंदे ने जल्द ही रालेगण सिद्धि आने का आश्वासन दिया.

कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

मुंबई.

शहर और महानगरीय क्षेत्र के कुछ हिस्सों में मंगलवार शाम को तेज हवाओं के साथ बेमौसम बारिश हुई. लक्ष्मी पूजन के दौरान अचानक हुई बारिश से खरीदारी करने आए लोगों और सड़क पर सामान बेचने वालों को असुविधा हुई. मुंबई और आसपास के इलाकों में सुबह से ही उमस थी. अचानक हुई बारिश से थोड़ी राहत तो मिली, लेकिन दिवाली की खरीदारी करने वालों और दुकानदारों को असुविधा भी हुई. दरअसल दादर, बांद्रा, लालबाग, पवई, बायकुला, कुर्ला और कई अन्य क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ मध्यम से भारी बारिश हुई.

नगर निकाय के अधिकारियों ने बताया कि नवी मुंबई के कई इलाकों में भारी बारिश के साथ बिजली चमकने और तेज हवाएं चलने की भी खबर है. इस बीच, मौसम विभाग ने अगले दो-तीन दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी दी है. नेरुल, बेलापुर, वाशी, सीवुड्स, सानपाड़ा और घनसोली सहित कई क्षेत्रों में भारी बारिश हुई. इससे कई सड़कें आंशिक रूप से जलमग्न हो गईं और व्यस्ततम आवागमन समय के दौरान यातायात धीमा हो गया. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आने वाले कुछ घंटों में नवी मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है. राज्य में एक बार फिर बारिश शुरू हो गई है, मुंबई सहित राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो रही है. दिवाली से ठीक पहले अचानक हुई बारिश के कारण लोगों को खरीदारी के लिए निकलने में दिक्कतें हुईं. मुंबई, कल्याण, ठाणे, पटाखा व्यापारियों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा. बलदापुर और नासिक जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हुई है. मुंबई में मंगलवार शाम के आसपास बारिश ने दस्तक दे दी. मुंबई के दादर इलाके में हल्की से मध्यम बारिश हुई. बारिश अचानक तब शुरू हुई जब दिवाली के मौके पर खरीदारी के लिए दादर के बाज़ार में भारी भीड़ थी.उधर, ठाणे में भी भारी बारिश हुई है. इस बारिश से खरीदारी के लिए घरों से बाहर निकले नागरिकों को काफी परेशानी हुई. कल्याण में मौसम में अचानक बदलाव आया और उसके कुछ ही देर बाद शहर और आसपास के इलाकों में गरज और तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होने लगी. तेज हवाओं के कारण वाहन चलाते समय चालकों को काफी तनाव में रहना पड़ रहा है.

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

MSBVE / MSBTE महाराष्ट्र शासन मान्य
AYUSHMAN COLLEGE & HOSPITAL
KAMPTEE, NAGPUR (MS.)
आयुष्मान मेडिकल पॅरामेडिकल कॉलेज
सईद नगर, बालाजी मंदरि के सामने, कलमना रोड, रनाला, कामठी
महाराष्ट्र हमारे कोर्स
BSc MLT, BVOC MLT, PGDMLT / ADMLT (MSBTE) ADXR (MSBTE), DMLT, DDT, DNYS, DAT, GNMA, CCOT, Health Sanitary Inspector, Radiology Technician
इंटर्नशिप आपको सरकारी हॉस्पिटल मे मिलेगी
ADMISSION OPEN 2025-26
8651512020, 8651513030

NP DR. NANDI PATH LAB
Committed to your Wellness
OUR SERVICES: • BLOOD TESTS • BIOCHEMISTRY • HEMATOLOGY • MICROBIOLOGY • SEROLOGY & MORE
DR. GAURAV NANDI MBBS, MD (Patho)
Ex. ASSTT PROFESSOR SMCW, PUNE
Mobile No.: 8767516249 | 7420869774
Near Nutan Saraswati School, Main Road, Kamptee, Nagpur

श्री सतगुरु ट्रैवल्स
• 1 ऑगस्ट अयोध्या काशी
• १४ ऑगस्ट आग्रा मथुरा वृंदावन
• ७ सप्टेंबर केदारनाथ चारधाम यात्र
• २७ ऑक्टोबर केरळ कन्याकुमारी
• २८ ऑक्टोंबर गुजरात राजस्थान
• १६ नोव्हेंबर आणि १० डिसेंबर अंदमान
• ३ जानेवारी गंगासागर नेपाळ
संपर्क आशीष लक्ष्मीनारायण कावळे
7498753939, 93095 96390
8698495200, 9823454945

अल्का लाडे प्रस्तुत "ज़िंदगी का सफर"
Organizar संकल्प बहुद्देशीय संस्था
सुहाना म्यूज़िकल ग्रुप
(लाइव ऑर्केस्ट्रा पर सुमधुर गीतों की प्रस्तुति)
Alka Lade बॉलिवुड गायिका
Contact For Participate 9373108897, 7798900066 9579254999
ग्रुप टीम - संकल्पना - राजपाल खोब्रागडे, समन्वयक - प्रमोद अंधारे, संयोजक - अनिल बालपांडे, प्रवीण भिवगड़े (गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर), सल्लागार - आशिष इलमे, मंच संचालन - एम. ए.रज्जाक, स्वागत समिती - माधुरी हुमने, सविता रेलकर, शर्मिला कळंबे.
Per Song 1500
दि. 10 आगस्ट 2025 दोप. 3 बजे से रात 9.30 बजे तक
अमृत भवन, झांसी रानी चौक, सिताबर्डी, नागपुर

धनवटे ऑनलाइन सर्विसेस
7/12 डिजिटल, ई-अभिलेख, 8 अ डिजिटल, ई- मोजनी, प्रॉपर्टी कार्ड, अधिकार क्षेत्र, झोन सर्टिफिकेट, वर्ग 2 ते वर्ग 1 अर्ज, अखिव पत्रिका, 7/12 फेरफार साठी अर्ज, फेरफार अर्ज,
राजेश धनवटे 9561498551
उपजिला रुग्णालय रोड, हैदरी चौक कामठी

VATSALYA Preschool
"Little Minds, Big Adventures"
Nurturing Young Minds with Heart and Purpose
Pre-Nursery, Nursery, KG1, KG2
Enquire now
More Information 9834172396
Address : Near Ashapurak Ganesh Mandir Ground, Professor Colony, Ranala, Kamptee

NISHCHAY TRAVELS
All types of AC & Non-AC Vehicles Available
Buses 30, 40 & 50 Seater Available
Plot No. 35, House No. 40, Kamptee Road, Shri Hari Nagri Near Ram Vatika, Bhilgaon, Nagpur-441002
: Contact :
Avinash Zanzote 9850340105 7972365539
Vilas Zanzote 9372211220 9112274567

प्रवेश सुरू... प्रवेश सुरू... प्रवेश सुरू...
नवयुग एज्युकेशन आणि बहुउद्देशीय संस्था कन्हान द्वारा संचालित
:: ADMISSION OPEN FOR 2024-2025 ::
मारोतराव पानतावणे ज्यु. कॉलेज
(११ व १२ वी कला, वाणिज्य, विज्ञान)
मारोतराव पानतावणे महाविद्यालय
(राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ नागपूर द्वारा संलग्नित)
B.A., B.Com, B.Sc.कला, वाणिज्य, विज्ञान
कार्यालय वेळ सकाळी १० ते सायं. ५ पर्यंत
SC/ST/OBC/VJNT विद्यार्थ्यांना BA/B.Com/B.Sc ला निःशुल्क प्रवेश देण्यात येईल.
स्कॉलरशिप ची सुविधा उपलब्ध आहे.
संपर्क : मारोतराव पानतावणे महाविद्यालय, गहुहिवरा रोड, कांद्री-कन्हान
07102-236484, 9373120336, 9834985854, 8766643359

2025 ADMISSION OPEN
FOR I.T.I. ELECTRICIAN & FITTER
Eligiblity 10th Pass
FREE ADMISSION FOR GIRLS
Maharashtra Govt. SCHOLARSHIP UPTO 100% for SC/ST/OBC/EWS boys & girls
CONTACT US
RABBANI ITI
Near Samaj Bhawan, Imli Bag, Kamptee 441001 Dist. Nagpur (M.S.)
9021132527 7721877941 9021194901

तुळजाभवानी ट्रेडर्स
कलमना रोड, महालक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, रनाला चौक, कामठी
हमारे यहां गिट्टी, ईटा, राखड, मुरूम आदि का सप्लाई किया जाता है।
ठोक व चिल्लर विक्रेता
JCP Work 24 हमारे यहां उपलब्ध है
M. : 7987262970 | 9175172712

प्लस प्वाइंट ट्युशन क्लासेस
10, 11, 12 वीं की सभी विषयों की अनुभवी शिक्षकों द्वारा ट्युश्न क्लासेस ली जाती है।
प्रोप्रा. मो. सलमान शेख
मोटर स्टैंड मस्जिद के पास, कामठी
तारसा रोड, कन्हान

ADMISSION OPEN
RKS PUBLIC SCHOOL
NURSERY to Std. IX
OUR FACILITY
Computer Lab • Cricket
Karate Class • Swimming Pool
Skating Class • Basket Ball
M. 8087955831 8956785080
Jaripatka Police Station Road, Nara, Nagpur

ZOREN PROPERTY DEALERS
हमारे यहाँ खेती, फ्लॅट, डुप्लेक्स, घर, बंगलो, फार्म हाऊस, रिसॉर्ट खरेदी और बेचा जाता है
अफसर खान
M. 9371381114, 7038696893
सभी प्रकार के प्रॉपर्टी पेपर का काम किया जाता है

3 STAR HOTEL
LODGING, BOARDING & RESTAURANT
AC / Non AC Room
8983305535, 8055705535
पता: घोरपड बस्ती, लिहीगांव रोड, कामठी

VIDEO GAMES SHOP
Convert VHS to Pendrive, Harddiskh
VHS को पेंनड्राइव में डालते है.
कोई भी पुरानी Video Cassette Recorder (VRC) शादी एंवम कोई भी पुरानी (VHS) कार्यक्रम की Video Cassette (VHS), VCD, CD, DVD, को Pendrive या Harddisk में Convert किया जाता है.
All Video Game for Sell & Repair Services also available
Only Place for Harddisk Loading
All type of USB & Electrical Accessories
All type of video game are available
Repair your Video Games, PS 2, 3, 4 & X Box
Order for Digital Video, Photo Album
DHAMTI VIDEO FILMS
9423771189, 9595399588
FOR SALE
Plot Size 500 sqft. Construction 1000 sqft. RANALA, KAMPTEE

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944, 9881272088

सुविचार

सपने वो नहीं जो हम सोते वक्त देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।

संपादकीय

छठ पूजा में क्या है खरना का महत्व

दिवाली के बाद अब छठ महापर्व की तैयारियां की जा रही हैं. छठ पूजा का ये महापर्व चार दिनों का होता है. ये महापर्व नहाय-खाय से शुरू होता है और उदयगामी सूर्य यानी उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही इस महापर्व का समापन हो जाता है. छठ पूजा का महापर्व भगवान सूर्य और छठी मैया को समर्पित किया गया है. छठ पूजा संतान के स्वास्थ्य, सफलता और लंबी उम्र की कामना के लिए है. छठ पूजा के महापर्व में खरना होता है. ये विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है. ऐसे में आइए जानते हैं कि खरना के दिन पूजा कैसे की जाती है? साथ ही जानते हैं खरना का अर्थ और महत्व. इस बार छठ पूजा की शुरुआत 25 अक्टूबर को यानि कल हो रही है. ये महापर्व 28 अक्टूबर तक चलेगा. 25 अक्टूबर को नहाय-खाय होगा. 26 अक्टूबर को खरना होगा. 27 अक्टूबर शाम के समय डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा और छठी मैया की आराधना की जाएगी. 28 अक्टूबर को इस महापर्व के अंतिम दिन सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा. इसके बाद छठ पूजा का समापन हो जाएगा. छठ पर्व के दूसरे दिन खरना होता है. छठ पूजा में खरना का बहुत विशेष महत्व होता है. खरना का अर्थ है 'शुद्धता'.

खरना के दौरान व्रती को खयाल रखना होता है कि वो पूरी तरह से स्वच्छ और पवित्र हो. ताकि व्रत में किसी तरह की बाधा न उत्पन्न हो सके. मान्यता है कि खरना के दिन ही छठी मैया का घर में प्रवेश करती हैं. छठ पूजा का दूसरा दिन यानी खरना पूरी तरह से भक्ति और समर्पण का प्रतीक माना जाता है. इससे व्रती को छठी मैया और भगवान सूर्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है. कैसै की जाती है पूजा? खरना के दिन व्रती महिलाओं द्वारा मिट्टी के चूल्हे पर गुड़ और चावल की खीर बनाई जाती है. आम की लकड़ी जलाकर पीतल के बर्तन में गुड़, चावल और दूध की खीर पकाई जाती है. इसके साथ ही गेहूं के आटे से बनी रोटी या पूड़ी, ठेकुआ बनाया जाता है. इस खीर का भोग छठी मैया को लगाया जाता है. फिर इसे प्रसाद के रूप में खाया जाता है. इसके बाद ही 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है.

लघुकथा

कौवे और चतुर कबूतर

एक घने जंगल में एक बहुत ही चालाक कौवा रहता था। उसका नाम काला था। काला बहुत शरारती था और हमेशा दूसरों की चीज़ें चुराने की सोचता रहता। एक दिन उसे एक मीठे फल की खुशबू महसूस हुई। उसने देखा कि एक कबूतर अपने घोंसले में रसीला आम रखकर चला गया है। काला सोच में पड़ गया,यदि मैं वह आम ले लूँ तो मेरी भूख शांत हो जाएगी। काला धीरे-धीरे कबूतर के घोंसले के पास गया और जैसे ही कबूतर ने ध्यान हटाया, वह आम को अपने पंजे में पकड़कर उड़ गया। कबूतर जब वापस लौटा और आम गायब पाया, तो वह बहुत दुखी हुआ। उसने तुरंत अपने दोस्तों को इकट्ठा किया और कहा,हमारे जंगल में कोई हमारे लिए खतरा बन सकता है। हमें इसका हल निकालना होगा। कबूतरों ने योजना बनाई। अगली सुबह, काला वही आम खाने के लिए फिर से आया। जैसे ही वह आम के पास पहुंचा, एक छोटी सी आवाज़ आई, 'काला, तुम फिर से चोरी करने आए हो?' काला चौंक गया। उसने देखा कि कबूतरों ने उसे घेर लिया है। काला डर गया और सोचने लगा कि अब क्या करे। तभी सबसे चतुर कबूतर बोला, यदि तुम हमें आम वापस दोगे और वादा करोगे कि तुम चोरी नहीं करोगे, तो हम तुम्हें माफ कर देंगे। काला ने शर्मिंदा होकर कहा, मैं वादा करता हू। मैं अब चोरी नहीं करूगा। कबूतरों ने आम वापस रख दिया। काला ने पहली बार महसूस किया कि दूसरों की चीज़ें चुराना उसे खुश नहीं रखता, बल्कि डर और अकेलापन देता है। उस दिन के बाद काला ने बदलने का निर्णय लिया। उसने जंगल में सभी के साथ दोस्ती करनी शुरू की। उसने देखा कि जब वह दूसरों की मदद करता है, तो खुशी कहीं अधिक बढ़ती है। एक दिन, काला ने अपनी नयी आदत से सभी को चौंका दिया। उसने जंगल में गिरा हुआ मीठा आम देखा और उसे खुद खाने की बजाय कबूतर के घोंसले में रख दिया। कबूतर खुश हुए और उन्होंने काला को अपना सच्चा दोस्त मान लिया। काला अब शरारती कौवे की बजाय समझदार और मददगार कौवा बन चुका था। जंगल में अब सब उसे प्यार और सम्मान देने लगे। उसने सीखा कि दूसरों के साथ ईमानदारी और सहयोग ही जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति है। और इस तरह, काला कौवा और चतुर कबूतर जंगल में खुशी-खुशी रहते रहे।

बालकथा

चतुर खरगोश और हसमुख जंगल

एक समय की बात है, हरे-भरे जंगल में बहुत सारे जानवर रहते थे। इस जंगल में एक छोटा सा खरगोश था, जिसका नाम था टोमी। टोमी बहुत चतुर और हँसमुख था। वह हमेशा अपनी चालाकी और हँसी-मज़ाक से जंगल के जानवरों को खुश रखता था। एक दिन जंगल में बड़ी हलचल मची। सभी जानवर डर के मारे इधर-उधर भाग रहे थे। दरअसल, जंगल में एक बड़ा, भयानक शेर आ गया था। शेर की दहाड़ सुनकर सारे छोटे और बड़े जानवर डर गए। वह जानवरों का खाना और उनकी शांति दोनों ही छीनने आया था। टोमी ने सोचा, 'अगर हम डरकर भागेंगे तो शेर हमारी जगहों पर कब्जा कर लेगा। हमें कोई तरीका ढूढना होगा, जिससे हम शेर को हरा सकें। टोमी ने अपने दोस्तों कछुए, गिलहरी और उल्लू को इकट्ठा किया और योजना बनाने लगा। टोमी ने कहा, हम शेर को डराने के लिए उसके सामने एक बड़ा सा नकली जानवर बनायेंगे। हम पेड़ों की शाखाओं, पत्तों और झाड़ियों का इस्तेमाल करके उसे तैयार करेंगे। शेर सोचकर डर जाएगा कि जंगल में कोई और शक्तिशाली जानवर है। सभी जानवरों ने टोमी की बात मानी और काम में जुट गए। कुछ ही घंटों में, उन्होंने झाड़ियों और लकड़ियों से एक बड़ा सा खरगोश बनाया, जिसे देखकर शेर भी दंग रह जाए। शेर जब जंगल में आया, उसने नकली खरगोश देखा।

वह सोचने लगा, यह तो बहुत बड़ा और ताकतवर जानवर है। अगर मैं इसके साथ लडूंगा तो हार सकता हू। शेर डरकर तुरंत वहां से भाग गया। सारे जानवर खुश होकर टोमी के पास आए। उन्होंने टोमी को धन्यवाद कहा। टोमी मुस्कराया और बोला, देखा दोस्तों, डर और शक्ति से ज्यादा काम आती है बुद्धिमानी। अगर हम मिलकर सोचें और योजना बनाएं, तो कोई भी समस्या बड़ी नहीं होती। उस दिन के बाद, जंगल में फिर से खुशी और शांति लौट आई। सभी जानवर टोमी की चतुराई और हँसी-मज़ाक की सराहना करते रहे।

पडौसी मुल्कों से संबंध इस्लाम की रौशनी में

एम आय शेख

दोस्तों! "पड़ोसी" शब्द सुनते ही हमें अपने घर के बगल में रहने वाले लोगों की याद आती है, लेकिन आज मैं पड़ोस के एक व्यापक अर्थ पर बात करने जा रहा हूँ। यानी पड़ोसी देशों से अपने संबंधों पर। भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के संबंधों पर। दोस्तों! एक बार पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संसद में बड़ी दृढ़ता से कहा था कि, "हम मित्र बदल सकते हैं, लेकिन पड़ोसी नहीं।" और इसी उदात्त विचार के तहत वे दोस्ती की प्रतीक बस लेकर दिल्ली से लाहौर गए थे। लेकिन नादान जनरल मुशर्रफ़ की मूर्खता के कारण वाजपेयी का वह ऐतिहासिक प्रयास असफल रहा। उल्टा हमें कारगिल युद्ध लड़ना पड़ा। दोस्ती की बुनियाद क्या हो? दोस्तों! भारत पाकिस्तान और बंगलादेश के बीच दोस्ती की बुनियाद इनसानीयत हो सकती है। कुरआन में अल्लाह तआला ने रसूल मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम के बारे में स्पष्ट घोषणा की है- "और हमने तुम्हें (ऐ मुहम्मद) सारे संसार के लिए रहमत (कृपा) बनाकर भेजा है।" (सूरह अल-अंबिया, आयत 107), यह आयत स्पष्ट करती है कि रसूल मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम को अल्लाह ने पूरी मानवता और समस्त सृष्टि के लिए दया और करुणा का प्रतीक बनाकर भेजा है। वे सिर्फ मुसलमानों के नबी नहीं है। उनका जीवन, उनकी शिक्षाएँ और उनका मार्गदर्शन समस्त मानव जाति के कल्याण के लिए हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि उनका व्यक्तित्व वैश्विक है। अगर दुनिया के देशों के बीच के संबंध इस्लामी मार्गदर्शन पर आधारित हों, तो निश्चित रूप से दुनिया में अमन और इंसाफ़ कायम होगा। ये दुसरी बुनीयाद होगी भारत पाकिस्तान और बंगलादेश के मित्रता की। दोस्तों! आज हम देखते हैं कि युक्रेन और रूस में तीन वर्षों से युद्ध चल रहा है, सिर्फ इस सवाल पर कि युक्रेन नाटो में शामिल हो या नहीं। युक्रेन लगभग तबाह हो चुका है। दूसरा उदाहरण गझा का है। गझा को ग़ैरक़ानूनी तौर पर अपने साथ मिलाने की इस्त्राइल की ख्वाहिश के कारण इज़राइल के हमलों ने ग़ज़ा को खंडहर बना दिया है। तिसरा उदाहरण अफ्रीका का है। पिछले कई दशकों से अफ्रीका के कई देश जानबूझकर गरीब रखे गए हैं ताकि उनके प्राकृतिक संसाधनों को पश्चिमी ताक़तें, यूरोप और अमेरिका अपने पालतू हुक्मरानों के ज़रिए लूट सकें। ये अन्याय तब तक नहीं रुक सकते जब तक दुनिया का संचालन अल्लाह और उसके रसूल के मौलिक मार्गदर्शन पर नहीं होगा। लेकिन इसके लिए सबसे पहले मुस्लिम उम्मत को तैयार होना होगा, क्योंकि आज का मुस्लिम समाज भी संकुचित राष्ट्रवाद के जाल में फँसा हुआ है। 57 मुसलमान देशों में दोस्ताना व्यवहार नहीं है तो अन्य देशों में कैसे हो सकते हैं? कोई मॉडेल तो हो। वो मॉडेल मुसलमान देश फराहम कर सकते हैं। दोस्तों! अल्लाह ने कुरआन में फरमाया है. > "ऐ इन्सानों! हमने तुम्हें एक पुरुष और एक स्त्री से पैदा किया, और तुम्हें जातियों व कबीलों में बाँटा ताकि तुम एक-दूसरे को पहचानो। अल्लाह के नज़दीक तुममें सबसे सम्मानित वही है जो सबसे अधिक परहेज़गार है।" (सूरह अल-हुजुरात, आयत 13). यह आयत अंतरराष्ट्रीय मानवता की एकता और परस्पर सम्मान का आधार बन सकती है। क्यों की ये इसी पर ज़ोर देती है। इसी सिद्धांत के आधार पर रसूल ने कई अंतरराष्ट्रीय समझौते किए। उनमें से दो सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण हैं. मदीना समझौता और हुदैबिया संधि। मदीना समझौता (संविधान)- सन् 622 ई. में हुआ यह करार इस्लामी इतिहास का पहला संविधान माना जाता है। रसूल ने मदीना में बसने वाले मुसलमानों, यहूदियों और अन्य कबीलों के बीच आपसी अधिकार, कर्तव्य और संबंधों को व्यवस्थित किया। इस समझौते में सभी को धार्मिक स्वतंत्रता, न्याय और सुरक्षा की गारंटी दी गई थी। यदि किसी कबीले में विवाद होता, तो उसे रसूल की मध्यस्थता से सुलझाया जाता। इस तरह मदीना में एक संघीय व्यवस्था बनी, जिसने सामाजिक स्थिरता और सामुदायिक सद्भाव को जन्म दिया। हुदैबिया संधि- सन् 628 ई. में यह संधि मुसलमानों और मक्का के कुरैशों के बीच हुदैबिया नामक स्थान पर हुई। यह 10 वर्षों के लिए एक शांति समझौता था। मुख्य बिंदु थे, दोनों पक्ष दस साल तक युद्ध नहीं करेंगे। मुसलमान उस वर्ष हज नहीं करेंगे, बल्कि अगले वर्ष तीन दिन के लिए मक्का आ सकेंगे। अगर मक्का का कोई व्यक्ति मदीना भाग आया तो उसे वापस किया जाएगा, लेकिन मदीना से जाने वाले को लौटाया नहीं जाएगा। हर कबीला अपनी मर्ज़ी से किसी भी पक्ष से समझौता कर सकता है। इस संधि ने अरबस्तान में अमन का दौर शुरू किया और बाद में इसने इस्लाम के विस्तार का रास्ता खोला। इसी तरह अगर भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश भी मदीना और हुदैबिया जैसे एग्रीमेंट की भावना से प्रेरित होकर शांति समझौता करें, तो ये तीनों देश समृद्ध और खुशहाल हो सकते हैं। कल्पना कीजिए, जब भारत-पाकिस्तान की सीमाओं पर गोलियों की जगह गीतों की आवाज़ गूँजेगी, जब दिल्ली से लाहौर जाने वाली बस में लोग डर के बजाय उत्सुकता, उत्साह और प्रेम लेकर बैठेंगे तो यह सिर्फ़ एक सपना नहीं रहेगा, बल्कि एक नई हकीकत बनेगा। संभावित लाभ: आर्थिक क्रांति होगी- अमृतसर और लाहौर के व्यापारी सीधे व्यापार कर सकेंगे।भारतीय दवाइयाँ, महिंद्रा और फिरोदिया के फोर व्हीलर, कायनेटिक और बजाज के टू व्हीलर, मशीनें और तकनीक पाकिस्तान के बाज़ारों में होंगी। पाकिस्तान की फल, ऊन और हस्तकला भारत में बिकेगी। परिवहन लागत घटेगी, माल सस्ता होगा, और दोनों देशों के उद्योग को नया जीवन मिलेगा। ऊर्जा सहयोग बढ़ेगा- भारत पाकिस्तान को बिजली दे सकेगा। ईरान-पाकिस्तान-भारत गैस पाइपलाइन जैसी परियोजनाएँ जो प्रलंबित है फिर से शुरू हो सकती हैं। दोनों देशों को सस्ता गैस व ऊर्जा स्त्रोत मिलेगा। रक्षा बजट में कटौती होगी- दोनों देश भारी रक्षा खर्च करते हैं। अगर तनाव घटे तो यह पैसा शिक्षा, स्वास्थ्य और गरीबी उन्मूलन में लग सकेगा।यानी, "सैन्य खर्च घटेगा तो विकास बढ़ेगा।" दहशतवाद का अंत होगा- अगर दोनों देशों की खुफिया एजेंसियाँ सहयोग करें, तो आतंकवादियों का नेटवर्क मिटाया जा सकता है। सांस्कृतिक पुनर्जागरण होगा- भारत-पाकिस्तान की संस्कृति एक है इतिहास एक है, डीएनए एक है, बस सीमाएँ अलग हैं।अगर सीमा खुली, तो कलाकार, लेखक और संगीतकार एक-दूसरे के देश में जा सकेंगे। औरभारतीय सिनेमा और पाकिस्तानी ग़ज़ल फिर एक साथ दिलों को जोड़ेंगे। मानवीय संबंध बढ़ेंगे. 1947 की विभाजन ने करोड़ों परिवारों को बाँट दिया था। अगर वीज़ा प्रक्रिया आसान हो, तो विभाजित परिवार फिर मिल सकेंगे। राजनीति से ऊपर उठकर इंसानियत का रिश्ता फिर ज़िंदा होगा. क्षेत्रीय स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा- दक्षिण एशिया का भविष्य भारत-पाक संबंधों पर निर्भर है। अगर ये दोनों राष्ट्र मिलकर काम करें तो सार्क (SAARC) जैसी संस्थाएँ वास्तव में प्रभावी हो सकती हैं। विश्व समुदाय में दोनों देशों की छवि "संघर्षशील राष्ट्रों" से "शांतिप्रिय राष्ट्रों" में बदलेगी। भारत के लिए वैश्विक शक्ति बनने का मार्ग और भी आसान हो जाएगा। लेकिन, यह रास्ता आसान नहीं है। कश्मीर का मुद्दा, राजनीतिक कट्टरता और ऐतिहासिक अविश्वास जैसी कठिनाइयाँ हैं। फिर भी, इतिहास गवाह है जब इंसान ठान लेता है, तो बर्लिन की दीवार गिर सकती है; तो दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच की नफ़रत की दीवार भी ढह सकती है। ज़रूरत है बस हिम्मत, दूरदृष्टि और शांति चाहने वाले नेतृत्व की। दोस्तों! यह केवल दो या तीन देशों के संबंधों का प्रश्न नहीं है यह हमारे बँटे हुए परिवारों के पुनर्मिलन का प्रश्न है, हमारे बच्चों के सुरक्षित भविष्य का प्रश्न है, हमारी आर्थिक समृद्धि और मानवता की रक्षा का प्रश्न है। दोस्तों कब तक हम लड़ते रहेंगे? अब वक्त है कि हम नई दिशा में सोचें शांति, सहयोग और समृद्धि की दिशा में। क्योंकि जब दो पड़ोसी दोस्त बनते हैं, तो पूरी बस्ती खुशहाल होती है। भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के भविष्य के रिश्ते सिर्फ़ शांति के नहीं, बल्कि सहअस्तित्व, सहयोग और स्नेह के होने चाहिए। रसूल अल्लाह मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम ने जैसे मदीना और हुदैबिया के करारों से अरब में अमन लाया, उसी तरह हमारे ये तीन देश भी अगर वही भावना अपनाएँ, तो दक्षिण एशिया एक दिन शांति और विकास का प्रतीक बन सकता है। यह कठिन अवश्य है, लेकिन असंभव नहीं। इसके लिए चाहिए सामाजिक जागरूकता और राजनीतिक इच्छाशक्ति। और इन दोनों की ज़िम्मेदारी है हमारे समाज के समझदार लोगों पर। बस इन्हीं शब्दों के साथ मैं समाप्त करता हूँ जय हिंद, जय सहयोग, जय शांति!

बिहार में नमकहराम और एहसान फरामोश कौन?

डॉ. सलीम ख़ान

बिहार चुनाव में "इंडिया" गठबंधन की आंतरिक खींचतान को मीडिया में उछालने का उद्देश्य "एनडीए" के अंदरूनी मतभेदों पर पर्दा डालना है, वरना सच्चाई यह है कि "दोनों तरफ है आग बराबर लगी हुई।" यानी कोई भी गठबंधन इस राजनीतिक "महाभारत" से पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। चुनावों के दौरान न केवल गठबंधनों के बीच बल्कि दलों के भीतर भी मतभेद कभी-कभी बगावत की हद तक पहुँच जाते हैं। मगर बिकाऊ मीडिया अपनी सुविधा के अनुसार किसी विवाद को छिपाता है और किसी को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाता है। चुनावी मुहिम में मुद्दा और चेहरा दोनों की अहम भूमिका होती है। इस मोर्चे पर चूंकि एनडीए कमजोर है, इसलिए जब "घुसपैठ" का मुद्दा उठाकर एसआईआर (स्पेशल इंडियन रजिस्ट्रेशन) का बहाना बनाया गया, तो इंडिया गठबंधन ने पहले "वोट चोरी" और फिर "बिहारी बनाम बाहरी" के नारे से उसका जवाब दे दिया। राष्ट्रीय चुनाव से पहले जब एनडीए के सामने "इंडिया" गठबंधन बना, तब अमित शाह ने मतभेद पैदा करने के लिए सवाल किया था. "प्रधानमंत्री पद के लिए हमारा चेहरा तो नरेंद्र मोदी है, मगर उनका नेता कौन है?" मतदाताओं के लिए "चेहरा" की अहमियत राष्ट्रीय स्तर से ज्यादा राज्य स्तर पर होती है, क्योंकि लोग मुख्यमंत्री को अपने करीब महसूस करते हैं। अपनी भाषा बोलने वाला मुख्यमंत्री उन्हें अपनापन देता है। यही कारण है कि लोग जानना चाहते हैं कि प्रत्येक गठबंधन का मुख्यमंत्री कौन होगा। "इंडिया" गठबंधन में इस बात पर बिना किसी मतभेद के तेजस्वी यादव पर सर्वसम्मति है और संयोग से वे बिहार के सबसे लोकप्रिय नेता भी हैं। जब अमित शाह से इस बारे में पूछा गया, तो उनका जवाब था कि "निर्णय चुनाव के बाद विधायक करेंगे।" यह बेहद हास्यास्पद उत्तर है, क्योंकि वे दिन अब बीत गए जब बीजेपी यह दावा करती थी कि उसमें "हाईकमान" का आदेश नहीं चलता। अब तो मोदी-शाह की बीजेपी में वही चलता है। दिल्ली से आदेश आता है और बड़े-बड़े नेताओं की छुट्टी कर दी जाती है। सबसे कमजोर नेता को मुख्यमंत्री बनाया जाता है ताकि वह दिल्ली दरबार के प्रति कृतज्ञ रहकर उनकी चापलूसी करता रहे। इसी प्रवृत्ति के विरोध में वसुंधरा राजे सिंधिया ने मोदी के आगे झुकने से खुलेआम इंकार कर दिया था. यह तिरस्कार भी था और विरोध भी। मध्य प्रदेश में "लाड़ली बहना" योजना के नाम पर वोट बटोरने के बाद शिवराज सिंह को हटाकर अनजाने मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाना जनता के साथ विश्वासघात था। बिहार में बीजेपी चाहती तो अपना मुख्यमंत्री लाती, मगर उसका कोई भी नेता सत्ता में रहते हुए भी लोकप्रिय नहीं हो पाया। इसीलिए नीतीश कुमार को साथ रखना उनकी मजबूरी है। अमित शाह के अनुसार चुनाव भी उनकी ही अगुवाई में लड़ा जा रहा है, लेकिन पार्टी ने पहले ही उनके साथ विश्वासघात का संकेत दे दिया है जो बीजेपी की पुरानी परंपरा है। महाराष्ट्र में भी उन्होंने बीजेपी की सीढ़ी चढ़कर सत्ता में आने वालों को लात मार दी। एकनाथ शिंदे को तोड़कर कुछ समय के लिए मुख्यमंत्री बनाया और फिर उसे भी किनारे कर दिया। चुनावी मौसम में बीजेपी हमेशा कोई न कोई भावनात्मक मुद्दा उछाल देती है जिससे जनता बहककर उसे वोट दे देती है। और जब तक जनता को होश आता है, तब तक "चिड़िया खेत चुग चुकी होती है।" इस बार बीजेपी के सारे दांव एक-एक करके फेल हो गए. "ऑपरेशन सेंधू" से लेकर "जातिगत जनगणना" तक। आखिरकार घुसपैठ का मुद्दा उछाला गया। यह वही पुराना मुद्दा है जो झारखंड में पहले ही असफल हो चुका था, इसलिए बिहार में भी नहीं चल सकता। लेकिन मजबूरी में इसी के सहारे "एसआईआर" का बहाना गढ़ा गया ताकि वोटर लिस्ट से छेड़छाड़ की जा सके। पर यह चाल उलटी पड़ गई। विपक्ष का नारा "वोट चोर गद्दी छोड़" इस कदर लोकप्रिय हुआ कि बिहार की सीमा पार कर पूरे देश में फैल गया। अमित शाह ने जब बार-बार घुसपैठ का मुद्दा दोहराया, तो तेजस्वी यादव ने उसका करारा जवाब "बाहरी के मुकाबले बिहारी" के नारे से दिया। अब यह क्षेत्रीय स्वाभिमान का प्रश्न बन चुका है। चुनाव आयोग बार-बार आग्रह के बावजूद अब तक घुसपैठियों की सही संख्या नहीं बता पाया है। अभी तक जो आंकड़े आए हैं, वे 300 से कुछ ज्यादा हैं और उनमें भी लगभग 80% हिंदू हैं। यह स्वाभाविक है कि बांग्लादेश का कोई हिंदू भारत आ सकता है, मगर कोई मुस्लिम शायद ही आए। इसके बावजूद अमित शाह उसी रट को दोहराते जा रहे हैं और दावा करते हैं कि "आने वाले दस सालों में बिहार बाढ़-मुक्त और औद्योगिक राज्य बन जाएगा।" प्रश्न यह है कि पिछले बीस सालों में यह क्यों नहीं हुआ? आंशिक सफलता भी मिली या नहीं? और यदि नहीं मिली तो वजह क्या है? चूंकि इन सवालों के जवाब अमित शाह के पास नहीं हैं, इसलिए वे विपक्ष के मतभेदों पर टिप्पणी करके खुश हो रहे हैं। लेकिन उन्हें अपने गिरेबान में झाँकना चाहिए। भले ही वे आँखें मूँद लें, जनता अंधी नहीं है उसने इस बार उनका "सीटी स्कैन" करके उन्हें "ऑपरेशन थिएटर" से "मॉर्चरी" भेजने का निश्चय कर लिया है। बीजेपी के भीतर इस समय कितनी भ्रमित मानसिकता है, इसका उदाहरण केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का बयान है। उन्होंने अरवल जिले की एक सभा में कहा कि उन्हें "नमकहरामों" या "अकृतज्ञों" के वोट नहीं चाहिए। उनका कहना था कि जो नागरिक सरकारी योजनाओं से लाभ उठाते हैं, उन पर सत्ताधारी दल को वोट देने की नैतिक जिम्मेदारी बनती है। अपने भाषण में उन्होंने मुसलमानों की ओर इशारा करते हुए कहा "जो एहसान का बदला नहीं देता, उसे नमकहराम कहते हैं।" पिछली बार "इंडिया" और "एनडीए" गठबंधनों के बीच वोटों का अंतर सिर्फ 12,000 था और बीजेपी के खिलाफ वोट देने वाले सिर्फ मुसलमान नहीं थे। गिरिराज सिंह ने उन सबको "नमकहराम" कहकर अपमानित किया है। जनता उन्हें इस गाली का जवाब वोट से देगी। गिरिराज सिंह को समझना चाहिए कि प्रधानमंत्री जिन योजनाओं के नाम पर जनता में पैसा बाँटते हैं, वह उनके निजी खज़ाने से नहीं बल्कि जनता के टैक्स से आता है। बिहार में दस हज़ार रुपये के कर्ज को "उपहार" बताकर जनता को धोखा दिया गया है। यह मानसिक छलावा है जनता को जकड़ने की साजिश। असली "नमकहरामी" तो यह है कि प्रधानमंत्री जनता के टैक्स पर ऐश करते हैं और सरकारी खज़ाने का बड़ा हिस्सा अपने चहेतों पर उड़ाते हैं। इसी भ्रष्ट लाभ का हिस्सा गिरिराज सिंह जैसे लोग भी हैं। इसीलिए यह आरोप "उल्टा चोर कोतवाल को डांटे" के समान है। गिरिराज सिंह का यह कहना कि "मैंने मौलवी साहब से कहा, मुझे नमकहरामों के वोट नहीं चाहिए," बिल्कुल "अंगूर खट्टे हैं" वाली कहावत पर फिट बैठता है। वास्तव में यह मुसलमानों के लिए गर्व की बात है कि एक समुदाय के रूप में वही फासीवाद के तूफान के सामने डटा हुआ है न डरा है, न झुका है। यही वजह है कि गिरिराज सिंह समेत पूरा भगवाधारी गिरोह परेशान है। बीजेपी की "नमकहरामी" अपने लोगों के साथ भी किसी से छिपी नहीं है। इसकी ताज़ा मिसाल पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता आर.के. सिंह का बयान है, जिसमें उन्होंने अपनी ही पार्टी के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को वोट न देने की अपील की। नरेंद्र मोदी ने उन्हें कभी मंत्री बनाया था, मगर इस बार किनारे कर दिया, तो वे बीजेपी के खिलाफ बोलने लगे। काश गिरिराज सिंह अपने ही बिरादर आर.के. सिंह की इस "नमकहरामी" पर भी बोलते। आर.के. सिंह ने जनता से कहा कि "माफिया प्रवृत्ति वाले उम्मीदवारों से दूर रहें, चाहे वे आपकी जाति के ही क्यों न हों।" उन्होंने कहा कि अगर सभी उम्मीदवार दागदार हों तो जनता "नोटा" (NOTA) दबाए। एनडीए के जिन उम्मीदवारों का उन्होंने नाम लिया, उनमें सम्राट चौधरी के साथ-साथ जेडीयू के बाहुबली नेता अनंत सिंह, जगदीशपुर और संदीश सीटों के प्रत्याशी भी शामिल थे। बीजेपी ने जब आर.के. सिंह को चुनावी प्रचार समिति और घोषणा पत्र समिति से बाहर कर दिया, तो वे नाराज़ हो गए। मगर कल जब यही हश्र गिरिराज सिंह का होगा, तब वे भी "नमकहरामों" की उसी कतार में शामिल पाए जाएँगे। बीजेपी को डुबोने के लिए ऐसे एहसान फरामोशों की सेना ही काफी है।

इस राज्य में मनाई जाती है बूढ़ी दिवाली

पूरे देश में दिवाली का उत्सव और उल्लास बीत चुका है, लेकिन देश का एक ऐसा राज्य है, जहां दिवाली के पर्व के एक माह बाद 'बूढ़ी दिवाली' मनाने की परंपरा है. इस राज्य का नाम है हिमाचल प्रदेश. ये प्रदेश अपनी समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं के लिए जाना जाता है. यहां बूढ़ी दिवाली के रूप में दिवाली एक अनोखा रूप नजर आता है.राज्य के सिरमौर जिले के शिलाई और कुल्लू जिले के निरमंड क्षेत्र में दिवाली के एक महीने बाद बूढ़ी दिवाली होती है. इस साल बूढ़ी दिवाली का त्योहार 20 नवंबर से शुरू होगा और तीन से चार दिन मनाया जाएगा, लेकिन हिमाचल प्रदेश में बूढ़ी दिवाली क्यों मनाई जाती है?

आइए इसका कारण जानते हैं. सिरमौर के शिलाई में ये मान्यता है कि जब लंकापति रावण का वध और 14 वर्षों का वनवास पूर्ण होने के बाद भगवान श्रीराम अयोध्या लौटे तो सारे देश में ये खबर हो गई, लेकिन पहाड़ी क्षेत्रों में भगवान राम के अयोध्या लौट आने की खबर देर से पहुंची.

तभी यहां पर एक माह बाद दिवाली मनाई जाने लगी. इस शुभ मौके पर विवाहित बेटियों और रिश्तेदारों को घर बुलाया जाता है वहीं कुल्लू जिले के निरमंड क्षेत्र में बूढ़ी दिवाली का संबंध भगवान परशुराम से जोड़ा जाता है. मान्यताओं के अनुसार, यहां भगवान परशुराम ने एक असुर का वध किया था. इसके बाद लोगों ने मशालें जलाकर जश्न मनाया था. यहां हर साल बूढ़ी दिवाली पर मशाल यात्रा निकाली जाती है. साथ ही रस्साकशी और पारंपरिक लोकगीत आयोजित किए जाते हैं. इसे वृत्तासुर राक्षस के वध की याद से भी जोड़ा जाता है. पौराणिक कथा के अनुसार, देवराज इंद्र ने महर्षि दधीचि की अस्थियों से बने अस्त्र से वृत्तासुर का अंत किया था. देवराज इंद्र की विजय पर लोगों ने मार्गशीर्ष अमावस्या की रात मशालें जलाईं और बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाया था. बूढ़ी दिवाली के दिन पारंपरिक नृत्य किए जाते हैं. लोकगीत गाए जाते हैं. बूढ़ी दिवाली पर स्थानीय लोग नाटी, रासा, विरह गीत भयूरी, परोकड़िया गीत, स्वांग और हुड़क नृत्य करते हैं. इस दौरान एक-दूसरे को मूड़ा, शाकुली, चिड़वा और अखरोट जैसे पारंपरिक व्यंजन बांटे जाते हैं और शुभकामनाएं दी जाती हैं.

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सांस (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

डॉ. आकांक्षा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M)
C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS
NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD,
M.I.S.R (Mum), C.C.H,
C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

सीताबर्डी स्थित शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK

गोवर्धन पूजा एक पवित्र परंपरा है जो कृषि, गौ रक्षा और प्रकृति से जुड़ाव को संरक्षित करती है: विधायक जोरगेवार

चंद्रपुर, सुनील तायडे

> भारतीय जनता पार्टी एवं कनीफनाथ बहुद्देशीय संस्था ने किया गोवर्धन पूजा महोत्सव का आयोजन

भारतीय जनता पार्टी सदैव समाज से जुड़ी रही है। हमारा प्रयास है कि समाज का हर वर्ग सुखी, समृद्ध और आत्मनिर्भर हो । गोवर्धन पूजा हमें कृषि, गोरक्षा और प्रकृति के साथ हमारे संबंधों का बोध कराती है। हमारी संस्कृति की जड़ें इसी परंपरा में निहित हैं , ऐसा विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा।

दीपावली के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी शास्त्री नगर वार्ड एवं कनीफनाथ बहुउद्देशीय संगठन , नेहरू नगर के संयुक्त तत्वावधान में नेहरू नगर में भव्य गोवर्धन पूजा महोत्सव भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। वे इस अवसर पर बोल रहे थे।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय ओबीसी आयोग के अध्यक्ष हंसराज अहीर , ओबीसी नेता अशोक जीवतोड़े , महानगर अध्यक्ष सुभाष कासनगोट्टुवार , महिला मोर्चा शहर अध्यक्ष छब्बू वैरागड़े , पूर्व महापौर अनिल फुलझेले , भाजपा नेता प्रकाश देवताले , नामदेव डाहुले , युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष रघुवीर अहीर , युवा मोर्चा अध्यक्ष मयूर हेपत , महासचिव रवि गुरुनुले , मंडल अध्यक्ष स्वप्निल डुकरे , एडवोकेट उपस्थित थे। सारिका संदुरकर , प्रदीप किरमे , रवि जोगी , सुभाष अडामे , ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष विनोद शेडकी , पूर्व नगरसेविका वनिता डुकरे , पुष्पा उराडे , शीतल गुरुनुले , पूर्व नगरसेवक विठ्ठलराव डुकरे , कनीफनाथ बहुउद्देशीय संगठन के उमेश सालुंखे , जनार्दन भुजाड़े , राजू सालुंखे , राजकुमार भागाड़े , सागर वाजेकर , श्रवण गदाई और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

इस अवसर पर आगे बोलते हुए विधायक जोरगेवार ने कहा कि, गोवर्धन पूजा प्रकृति के प्रति आस्था, सद्भाव और कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है। अगर हमारा समाज एकजुट रहे, तो कोई भी समस्या बड़ी नहीं होती। आज हमारे देश और राज्य में कई विकास योजनाएँ चल रही हैं। लेकिन साथ ही, सामाजिक समरसता , धार्मिक सद्भाव और सांस्कृतिक संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। ऐसे पारंपरिक त्योहार हमारे बीच प्रेम, सद्भावना और भक्ति की भावना पैदा करते हैं । आज इतनी बड़ी संख्या में नागरिकों, कार्यकर्ताओं, महिलाओं और युवाओं को इस पूजा में भाग लेते देखकर बहुत खुशी हो रही है । इस आयोजन ने समाज में एकता, भक्ति और सेवा भावना का संचार किया है । उन्होंने कहा कि दीपावली के इस पावन अवसर पर हम सभी को मिलकर अपने मन के अंधकार को दूर करके ज्ञान, प्रेम और एकता का प्रकाश फैलाना चाहिए ताकि समाज का प्रत्येक व्यक्ति सुखी रहे।

इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक शामिल हुए। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा गोवर्धन पूजा भी की गई।

लक्ष्मी का वाहन उल्लू ट्रेन की चपेट में

चंद्रपुर.

बल्लारशाह-गोंदिया रेलवे ट्रैक पर कई जंगली जानवर अपनी जान गंवा रहे हैं और घायल हो रहे हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि लक्ष्मी का मुख्य वाहन माना जाने वाला उल्लू आज किसी ट्रेन की चपेट में आ गया।

घटनास्थल से, हैबिटेट कंजर्वेशन सोसाइटी के अध्यक्ष दिनेश खटे को सूचना मिली कि एक बड़ा जंगली उल्लू रेल की पटरियों पर घायल और बेचैन अवस्था में पड़ा है। वे तुरंत घटनास्थल पर पहुँचे और घायल उल्लू की जाँच की। उन्होंने पाया कि यह उल्लू एक दुर्लभ प्रजाति हुमा उल्लू था, जो हमारे इलाके में बहुत कम पाया जाता है। अंग्रेजी में इसे डस्की ईगल उल्लू कहते हैं।

कई सदस्यों का कहना है कि हुमा घुबल को बहुत कम देखा जाता है, इसे केवल एक बार ताडोबा में देखा गया है, और हैबिटेट कंजर्वेशन सोसाइटी के अध्यक्ष दिनेश खटे का मानना है कि पेंच टाइगर रिजर्व में भी इसे बहुत कम देखा जाता है।हुमा उल्लू धुएँ के रंग का, धूसर रंग का और बड़ी, पीली आँखों वाला होता है। जब हुमा उल्लू बैठता है, तो उसके सिर के पंख सींगों की तरह उठे हुए और एक-दूसरे से सटे हुए होते हैं। हुमा उल्लू पंखों वाले सींगों वाला एक बड़ा उल्लू है, जिसकी ऊँचाई लगभग 23 इंच होती है। हुमा उल्लू का निवास स्थान: भारत में सर्वत्र पाया जाने वाला यह पक्षी पठारी क्षेत्रों, मानव बस्तियों के पास, पानी के पास और पुराने इमली के पेड़ों पर रहना पसंद करता है। एक बार जब हुमा उल्लू जोड़ा बना लेता है, तो वह कई वर्षों तक एक ही स्थान पर रहता है।

यूरेशियन ईगल उल्लू का प्रजनन काल नवंबर से अप्रैल तक होता है, और मादा एक बार में 2 से 3 सफेद अंडे देती है। यूरेशियन ईगल उल्लू आमतौर पर पानी के पास ऊँचे पेड़ों पर काँटेदार शाखाओं का उपयोग करके अपना घोंसला बनाते हैं। छोटे स्तनधारी जीव, पक्षी, छिपकलियाँ और बड़े कीड़े यूरेशियन ईगल उल्लुओं का मुख्य भोजन हैं।

घायल हुमा को इलाज के लिए ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर में भर्ती कराया गया। पशु चिकित्सा अधिकारी कुंदन पोडसेलवार ने इलाज शुरू किया और उसे अपनी निगरानी में रखा। उल्लू की चोंच पर घाव के कारण खून बह रहा था। उसके बाएँ पंख पर भी घाव पाया गया और वहाँ से भी खून बह रहा था। घटना की सूचना वन विकास निगम के वनरक्षक स्वामी को दी गई। हैबिटेट कंजर्वेशन सोसाइटी के अमित देशमुख, अंकित बाकड़े, रोहित बेलसरे और नाज़िश अली घटनास्थल पर मौजूद थे।

कलाकारों को एक मंच पर लाकर भव्य सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन

> विधायक सुधीर मुनगंटीवार की अपील
> शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक और सांस्कृतिक विकास भी महत्वपूर्ण है
> चंद्रपुर में धूमधाम से मनाया 'पाड़वा पहाट'

चंद्रपुर.

चंद्रपुर जिले में असंख्य प्रतिभाशाली कलाकार हैं। राज्य के पूर्व वन, सांस्कृतिक एवं मत्स्य पालन मंत्री, विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने इन सभी को एक मंच पर लाकर हमारे जिले की सांस्कृतिक विरासत को और अधिक जीवंत एवं समृद्ध बनाने का प्रेरक आह्वान किया।

वे आजाद उद्यान में सांस्कृतिक संरक्षण मंडल द्वारा आयोजित ' पाडवा पहाट ' कार्यक्रम में बोल रहे थे। कार्यक्रम में डॉ. मंगेश गुलवाड़े, राहुल पावड़े, रामपाल सिंह, शैलेश परबते, विजय चंदावार, गणपतराव येवले, नम्रता आचार्य-थेमस्कर, सूर्या खजांची, रवि लोनकर, धनराज कोवे, डॉ. अशोक वासलवार, डॉ. प्रमोद बांगड़े, डॉ. विलास मुले, गोपाल मुंदड़ा, डॉ. सुशील मुंदड़ा, डॉ. भूपेश भालमे, डॉ. राहुल चेक, डॉ. सलीम टुकडी, प्रलय सरकार, अमित निरंजने, नीलेश काले, उमेश अष्टनकर, सचिन कोटपल्लीवार, मुग्धा खाडे, पुरूषोत्तम सहारे, चांद पाशा, माया उइके, शिला चव्हाण, सुनील डोंगरे और अन्य उपस्थित थे।

विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि, "दीपावली पर्व त्योहारों का राजा है और आनंद, एकता व प्रकाश का सर्वोच्च प्रतीक है। संस्कृति संरक्षण मंडल समाज में "हम साथ-साथ हैं" की भावना का प्रसार कर रहा है। गाँवों में भौतिक विकास के साथ-साथ संस्कृति, संस्कार और मानसिक विकास को भी महत्व देना आवश्यक है। भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा विश्व को प्रेरणा देती रही है और गणेशोत्सव विदेशों में भी मनाया जाता है, जो संस्कृति की शक्ति और वैश्विक पहचान को दर्शाता है।"

सांस्कृतिक प्रतिभा का एक नया सवेरा, चंद्रपुर का गौरव : डॉ. मंगेश गुलवाडे, राहुल पावडे, रामपाल सिंह और उनकी पूरी टीम ने इस दिवाली से एक सुंदर और महत्वपूर्ण पहल शुरू की। दीपावली के पावन पर्व पर कार्यक्रम के प्रति लोगों की सहज प्रतिक्रिया देखकर, सफलता निश्चित थी। कभी लोकपुर के नाम से जाना जाने वाला चंद्रपुर आज अपने उत्साह, संस्कृति और सहिष्णुता के लिए जाना जाता है। दुनिया के सबसे गर्म शहर के रूप में प्रसिद्ध यह स्थान अब 'सूर्यपुर' नहीं, बल्कि चंद्रपुर के नाम से जाना जाता है। आइए, चंद्रपुरवासियों की सहिष्णुता में संस्कृति का समावेश करके शहर को सांस्कृतिक चमक और सामाजिक एकता से प्रकाशित करें, ऐसा विधायक मुनगंटीवार ने कहा।

चंद्रपुर की कला को गंगासागर के रूप में देखा जा सकता है : तनाव में नहीं, बल्कि आनंद में जीने की सीख का संदेश इस कार्यक्रम से मिला। सांस्कृतिक संरक्षण मंडल चंद्रपुर के सभी कलाकारों का पंजीकरण करे और "हम ही चंद्रपुरकर" की भावना के साथ अगली दिवाली तक हज़ारों कलाकारों का एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प ले। आज का यह शुभारम्भ गंगोत्री के समान है, जिस प्रकार गंगा बहती है और गंगासागर में विलीन हो जाती है, उसी प्रकार संस्कृति और कलाकारों की कला की गंगा एक दिन चांदा क्लब मैदान में गंगासागर के रूप में दिखाई देगी, ऐसा विश्वास विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने व्यक्त किया और इस कार्यक्रम से एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का निर्माण होगा, ऐसा विश्वास दिलाया।

खाकी वर्दी वालों की मेहरबानी से गढ़चांदुर शहर में सट्टा फल-फूल रहा है!

कोरपना, मनोज गोरे

गढ़चांदुर शहर में सट्टे का गैर-कानूनी धंधा दिन-ब-दिन फल-फूल रहा है, लेकिन पुलिस प्रशासन चुपचाप बैठा है। शहर के कुछ इलाकों में खुलेआम सट्टे का लेन-देन चल रहा है। हालांकि, लोगों में यह चर्चा है कि यह धंधा "खाकी वर्दी वालों की मेहरबानी से" फल-फूल रहा है।

स्थानीय युवा इस गैर-कानूनी धंधे में शामिल हो रहे हैं। इससे समाज में गिरावट की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन की तरफ से कोई कार्रवाई न होने से सट्टेबाजों का हौसला बढ़ गया है। अफसोस की बात है कि लोगों की बार-बार शिकायत के बाद भी पुलिस कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है। सट्टे का जाल शहर की हर गली-मोहल्ले में फैल रहा है, और शक जताया जा रहा है कि इसमें कुछ रसूखदार लोग शामिल हैं। यह बात आम है कि शहर में कानून-व्यवस्था खत्म हो गई है और पुलिस प्रशासन "कोमा" में चला गया है।

गढ़चांदुर, राजुरा म्युनिसिपल काउंसिल चुनाव अपने दम पर लड़ेंगे

> एनसीपी के स्टेट जॉइंट सेक्रेटरी आबिद अली की जानकारी

कोरपणा, मनोज गोरे, राजुरा विधानसभा इलाके में राजुरा और गढ़चांदुर म्युनिसिपल काउंसिल चुनाव की गतिविधियां तेज हो गई हैं। सभी राजनीतिक पार्टियों के नेताओं ने काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा है कि एनसीपी गढ़चांदुर और राजुरा म्युनिसिपल काउंसिल चुनाव अपने दम पर लड़ेगी। लोकल बॉडी चुनाव के बैकग्राउंड में, एनसीपी शरद जोगी की लीडरशिप में कॉर्पोरेटर और प्रेसिडेंट पोस्ट के कैंडिडेट तय करने के लिए मीटिंग कर रही है। 30 साल बाद, राजुरा म्युनिसिपल काउंसिल में मेयर का पोस्ट जनरल कैटेगरी के लिए रिजर्व किया गया है। एनसीपी की तरफ से माइनॉरिटी कैंडिडेट को मौका देने की तैयारी चल रही है। साथ ही, शेड्यूल्ड कास्ट, शेड्यूल्ड ट्राइब (महिला), और बैकवर्ड क्लास कॉर्पोरेटर कैंडिडेट की स्क्रीनिंग शुरू हो गई है और स्टेट जॉइंट सेक्रेटरी आबिद अली ने पार्टी के पदाधिकारियों और वर्कर्स को तैयारी शुरू करने के निर्देश दिए हैं। राजुरा और गढ़चांदुर में जिला संचार मंत्री इंद्रनील नाइक, चंद्रपुर जिला इंस्पेक्टर राजेंद्र जैन, जिला अध्यक्ष नितिन भाटरकर और संचार मंत्री की मौजूदगी में चर्चा के बाद, आबिद अली ने चुनाव और उम्मीदवार चुनने को लेकर कार्यकर्ताओं की भावनाओं को जानने के बाद आने वाले राजुरा और गडचंदूर नगर परिषद चुनाव अपने दम पर लड़ने का फैसला किया। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों नगर परिषदों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की अहम भूमिका होगी और कार्यकर्ताओं को सभी जातियों, धर्मों और युवाओं को मौका देने के लिए उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग करनी चाहिए। जानकारों ने राय दी है कि चुनाव का गणित बिगड़ जाएगा क्योंकि भाजपा, कांग्रेस, किसान संगठन और एनसीपी ने अपने दम पर चुनाव लड़ने की तैयारी दिखाई है। इससे दोनों पार्टियों के बीच त्रिकोणीय मुकाबले का माहौल बन रहा है और कार्यकर्ता एक-दूसरे से मेलजोल बढ़ाने लगे हैं।

चंद्रपुर में 27 साल के युवक की हत्या

चंद्रपुर, मनोज गोरे

> सभी आरोपी पुलिस कस्टडी में, लॉ कॉलेज इलाके की घटना
> हत्या के मामले में सभी आरोपी सिर्फ़ एक घंटे में गिरफ्तार
> लोकल क्राइम ब्रांच और पुलिस स्टेशन रामनगर की कार्रवाई

23 अक्टूबर, 2025 को, पुलिस स्टेशन रामनगर की सीमा में लॉ कॉलेज के सामने वाले इलाके में एक व्यक्ति खून से लथपथ और मरा हुआ मिला। मरने वाले व्यक्ति का नाम नितेश वासुदेव ठाकरे, उम्र 27, वार्ड नंबर 1, बेताल चौक, दुर्गापुर का रहने वाला था। ऐसी जानकारी मिलने पर, लोकल क्राइम ब्रांच, चंद्रपुर और पुलिस स्टेशन पी.ओ. रामनगर पुलिस स्टाफ के साथ मौके पर पहुंची और इलाके में पूछताछ की। इस जुर्म के आरोपियों की तलाश के लिए स्थागुशा और रामनगर पोस्ट की अलग-अलग टीमें बनाई गईं। एक घंटे के अंदर आरोपी मिल गया। पहली नज़र में पता चला है कि आरोपी नंबर (1) करण गोपाल मेश्राम, उम्र 22, भीमनगर वार्ड नंबर 4, दुर्गापुर का रहने वाला है (2) यश छोटेलाल राउत, उम्र 19, भीमनगर वार्ड नंबर 4, दुर्गापुर का रहने वाला है (3) अनिल रामेश्वर बोंडे, उम्र 22, समता नगर, दुर्गापुर का रहने वाला है (4) प्रतीक माणिक मेश्राम, उम्र 22, वार्ड नंबर 4, दुर्गापुर का रहने वाला है (5) तौसिक अज़ीज़ शेख, उम्र 23, फातिमा मस्जिद, वार्ड नंबर 3, दुर्गापुर का रहने वाला है (6) सुजीत जयकुमार गणवीर, उम्र 25, भीमनगर वार्ड नंबर 4, दुर्गापुर का रहने वाला है, इन सबने मिलकर मामूली झगड़े की वजह से मृतक नितेश वासुदेव ठाकरे की हत्या कर दी। आरोपी नंबर 1 से 5 को लोकल क्राइम ब्रांच चंद्रपुर की टीम ने और आरोपी नंबर 6 को क्राइम इन्वेस्टिगेशन टीम ने पोस्ट रामनगर से गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस स्टेशन रामनगर में हत्या का केस दर्ज किया गया है और रामनगर पुलिस आगे की जांच कर रही है। उक्त कार्यवाही पुलिस अधीक्षक चंद्रपुर श्री मुमक्का सुदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंद्रपुर श्री ईश्वर कटकड़े के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक श्री अमोल कचोरे और पुलिस निरीक्षक श्री असिफराजा शेख पोस्ट रामनगर के नेतृत्व में सपोनी श्री देवराव नरोटे, सपोनी श्री दीपक कांकरेदवार, सपोनी श्री बलराम जादोकर, पौपानी श्री विनोद भुरले, पौपानी श्री संतोष निम्भोरकर, पौपानी श्री सर्वेश बेलसरे, पौपानी श्री सुनील गौरकर, सपोई/स्वामीदास चालेकर, पोहवा/सुभाष गोहोकर, पोहवा/इमरान खान, पोहवा/नितिन साल्वे, पोहवा/रजनीकांत पुट्ठावार, पोहवा/दीपक डोंगरे, पोहवा अजय बागेसर, चापोहवा प्रमोद डंबरे, पोहवा/हीरालाल गुप्ता, पोहवा/शंशाक बदामवार, पोहवा/शेखर मधानकर स्थगुशा चंद्रपुर और पोस्ट रामनगर द्वारा की जा रही है। कार्रवाई की है।

गोंडपिपरी तालुका में बाघ के हमले में किसान की मौत

शहर में भी दिखा, खेती-बाड़ी ठप, महिलाओं में डर; वायरल फोटो पर नकली होने का शक..?

चंद्रपूर, मनोज गोरे

गोंडपिपरी तालुका में बाघों की बढ़ती मौजूदगी से लोगों में डर का माहौल बन गया है। पिछले दो हफ़्ते से कई गांवों में बाघ के पैरों के निशान देखे गए हैं, और किसान अपनी जान हथेली पर रखकर खेती का बचा हुआ काम कर रहे हैं।

शनिवार (18 तारीख) को चेकपिपरी के खेत में बाघ के हमले में भाऊजी पाल नाम के एक किसान की मौत हो गई। यह बुरी घटना अभी ताज़ा ही थी कि मंगलवार (21 तारीख) रात को जानकारी मिली कि गोंडपिपरी शहर के छत्रपति शिवाजी चौक में एक बाघ देखा गया।

इस बारे में कुछ फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई हैं, जिससे लोगों में डर फैल गया है। लोगों ने सुबह एक्सरसाइज़ के लिए बाहर निकलना बंद कर दिया है। कपास चुनने का मौसम है और महिलाओं ने खेतों में जाने से परहेज़ किया है। इसका सीधा असर खेती-बाड़ी के काम पर पड़ा है। इस बीच, शक है कि वायरल फोटो एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके बनाई गई है, और फेक फोटो बनाने वाले के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की गई है। बाघ को तुरंत जेल में डालने की पुरजोर मांग की गई है।

सुभाष धोटे शोकग्रस्त परिवार से मिले

शनिवार, 18 तारीख को बाघ के हमले में भाऊजी पाल की मौत के बाद, 22 तारीख को राजुरा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक सुभाष धोटे उनके घर गए और उनका दुख बांटा। इस मौके पर कांग्रेस तालुका प्रेसिडेंट अशोक रेचनकर, पूर्व तालुका प्रेसिडेंट तुकाराम झाड़े, शहर प्रेसिडेंट राजू झाड़े, शहर वाइस प्रेसिडेंट अजय मदुरवार, जिला वाइस प्रेसिडेंट देवेंद्र बाटे, पूर्व उपसरपंच गौतम झाड़े, महेंद्र कुनघटकर, माधव लाडके, आशीष निमगड़े, रफीक शेख, अनिल कोरडे, सोनी दिवसे, अमित फरकाड़े, प्रशांत कोसंकर, सारनाथ बख्शी, बालाजी चणकपुरे वगैरह मौजूद थे।

पुलिस ने नागरिकों को सतर्क किया

पुलिस स्टेशन गोंडपिपरी नागरिकों को सूचित कर रहा है कि। 21 तारीख की रात को गोंडपिंपरी शहर में एक बाघ के घुसने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही हैं। ये तस्वीरें एआई से बनी हैं और किसी ने समाज में डर फैलाने के लिए बनाई हैं। लोगों से रिक्वेस्ट है कि अफवाहों पर यकीन न करें। सच वेरिफाई किए बिना उन्हें फॉरवर्ड या शेयर न करें। कृपया ध्यान दें कि सोशल मीडिया पर ऐसे गलत मैसेज पोस्ट करके समाज में डर और आतंक का माहौल बनाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रमेश हट्टीगोटे, थानेदार, पुलिस स्टेशन गोंडपिपरी

CMYK

खतरनाक कार्यों में महिलाओं को काम करने की मंजूरी

> गर्भवती पर रहेगा प्रतिबंध

चेन्नई.

महिलाओं को बराबरी का हक देते हुए तमिलनाडु की सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है. सरकार ने तमिलनाडु कारखाना नियम, 1950 में बदलाव किया है ताकि महिलाओं को लगभग 20 ऐसे काम करने की भी इजाजत मिले, जिन्हें 'खतरनाक' मानकर महिलाओं को काम करने से रोका जाता रहा है. इसके अलावा, अगर कोई महिला कर्मचारी नाइट शिफ्ट करना चाहती है, तो उससे लिखित में सहमति लेने के नियम में संशोधन का भी प्रस्ताव है.

पिछले महीने लेबर वेलफेयर एंड स्किल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट ने तमिलनाडु कारखाना नियमों में संशोधन के मसौदे की अधिसूचना जारी की थी. इस पर अगर किसी को ऐतराज होता तो उसे 9 सितंबर को जारी अधिसूचना के 45 दिनों के भीतर सरकार को भेजना था. जिन खतरनाक कामों में महिलाओं को शामिल किए जाने की सिफारिश की गई है उनमें- इलेक्ट्रोलिटिक प्रॉसेस, लीड प्रॉसेस, ग्लास मैन्युफैक्चर, लीड या सीसा की मैन्युफैक्चरिंग या ट्रीटमेंट शामिल हैं. हालांकि, सरकार ने इन कामों में गर्भवती महिला श्रमिकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के लिए नियमों में संशोधन करना चाहती है.

वैसे तमिलनाडु में महिलाएं पहले से ही कई जोखिम भरे कामों को अंजाम देती आ रही हैं जैसे कि समुद्री शैवाल की कटाई, मछली पकड़ना वगैरह. अब इन्हें तेज आवाज और हाईवाइब्रेशन में काम करने की भी इजाजत दिए जाने की तैयारी है. यानी कि अब आगे आने वाले समय में इन्हें भी जहरीले गैस, पेट्रोलियम और केमिकल्स से जुड़े काम करने होंगे. हालांकि, इसके अपने कुछ नुकसान भी हैं जैसे कि समुद्री शैवाल की कटाई से चोट लगने का खतरा है, मछली पकड़ने से बीमारियां होने का डर और कारखानों में खतरनाक चीजों के साथ होने वाली स्वास्थ्य समस्याएं शामिल हैं.

लिस्ट में और भी कई शामिल

खतरनाक गैस और पेट्रोलियम जेनरेशन, ब्लास्टिंग, कच्चे चमड़े और खालों को चूना लगाना और रंगना, ग्रेफाइट पाउडरिंग, सीसा सामग्री से बनी प्रिंटिंग प्रेस और टाइप फाउंड्री, काजू प्रॉसेसिंग, कॉयर और फाइबर कारखानों में मैट, चटाई और कालीनों की रंगाई, स्टेंसिलिंग और पेंटिंग और मिट्टी के बर्तन बनाना भी उन नौकरियों की लिस्ट में शामिल हैं, जिनमें अब महिलाएं काम कर सकती हैं.

कमाई और खर्च पर बड़ा बदलाव

> आपकी फाइनेंस में आएगी नई व्यवस्था

नई दिल्ली.

भारत की आर्थिक तस्वीर अगले साल से बिल्कुल बदलने वाली है. सरकार ने इस बदलाव की तैयारी शुरू कर दी है, जिससे लोगों की कमाई और खर्च को अब नए तरीके से मापा जाएगा. इस बदलाव के तहत जीडीपी, महंगाई, औद्योगिक उत्पादन जैसे बड़े आर्थिक आंकड़ों को अपडेट किया जाएगा ताकि ये आंकड़े आज के समय की असली तस्वीर दिखा सकें. खास बात यह है कि अब एक नया इंडेक्स भी आएगा जो तेजी से बढ़ रहे सर्विस सेक्टर की प्रगति को ट्रैक करेगा.

अभी जो भी आर्थिक आंकड़े आते हैं, वे 2011-12 के बेस ईयर यानी उस समय की कीमतों पर आधारित होते हैं. तब लोगों की खर्च करने की आदतें आज से बहुत अलग थीं. उस वक्त खाने-पीने पर ज्यादा खर्च होता था, लेकिन अब स्मार्टफोन, इंटरनेट और डिजिटल सेवाएं हमारी जिंदगी का बड़ा हिस्सा बन गई हैं. इसलिए सरकार ने फैसला किया है कि बेस ईयर को अपडेट किया जाए ताकि नए आंकड़े सही और वास्तविक स्थिति को दर्शा सकें.

27 फरवरी 2026 को जीडीपी के नए आंकड़े जारी होंगे जो 2022-23 की कीमतों पर आधारित होंगे. इससे पहले 7 जनवरी को बजट के लिए जो अनुमान आएंगे, वे अभी पुराने बेस ईयर पर ही होंगे. फरवरी में महंगाई के नए आंकड़े भी आएंगे जो 2023-24 के दामों को ध्यान में रखेंगे.

सरकार सिर्फ जीडीपी तक ही सीमित नहीं है, बल्कि महंगाई को मापने वाले उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में भी सुधार कर रही है. अभी जो कीमतें और वस्तुओं का वजन तय किया जाता है, उनमें बदलाव होगा. खासकर पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम से मिलने वाले अनाज के खर्च को भी अब सही तरीके से आंकड़ों में शामिल किया जाएगा. इसका मतलब है कि अब महंगाई का असली असर और बेहतर समझा जा सकेगा.

सर्विस सेक्टर के लिए नया इंडेक्स : भारत की अर्थव्यवस्था में सर्विस सेक्टर की भूमिका सबसे बड़ी है, लेकिन अब तक इसे अलग से मापने का कोई खास तरीका नहीं था. इस बार पहली बार एक नया सर्विस सेक्टर इंडेक्स आएगा जो डिजिटल, लॉजिस्टिक्स और अन्य तेजी से बढ़ते क्षेत्रों को ट्रैक करेगा. यह बदलाव इसलिए भी जरूरी है क्योंकि आज के समय में यह सेक्टर देश के आर्थिक विकास का बड़ा हिस्सा बन चुका है.

आठवें वेतन आयोग पर आ गए नए अपडेट्स!

नई दिल्ली.

केंद्र सरकार की ओर से जल्दी ही आठवें वेतन आयोग को लेकर नई घोषणा की जा सकती है. 8वें वेतन आयोग की प्रक्रिया में जारी रुकावटों के दूर होने की पूरी उम्मीद है. इस खबर से लगभग 1 करोड़ केन्द्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को फायदा होगा. जो पिछले कुछ महीनों से नए वेतन आयोग का इंतजार कर रहे हैं. हालांकि, अब तक सरकार की ओर से ना तो समिति का गठन किया गया है और ना ही इसके सदस्यों की घोषणा की गई है. सरकार 8वें वेतन आयोग को लेकर नियम व शर्तें बनाने में सक्रिय रुप से लगी हुई है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सरकार की ओर से नवंबर 2025 तक अधिसूचना जारी की जा सकती है. जानकारों का मानना हैं कि, 8वें वेतन का मसौदा तैयार करने के लिए सरकार ज्यादा समय नहीं ले सकती है. क्योंकि 7वें वेतन आयोग का कार्यकाल 31 दिसंबर को खत्म हो जाएगा. इसके बाद सरकार को जरूरी कदम उठाने ही होंगे. जिसके तहत सरकार नए आयोग के सदस्यों की नियुक्ति कर सकती है. वर्तमान में केंद्र सरकार राज्यों और वित्त विभाग के साथ ही दूसरे विभागों के द्वारा मिले सुझावों की समीक्षा कर रही हैं. वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के जानकारी दी हैं कि, सरकार इस विषय पर सक्रियता से काम कर रही हैं. साथ ही उन्होंने कहा कि, 8वें केंद्रीय वेतन आयोग से संबंधित अधिसूचना सही समय पर सरकार के द्वारा जारी की जाएगी.

सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट के बाद फिर आई तेजी

नई दिल्ली.

दो दिन की जबरदस्त गिरावट के बाद आज सोना-चांदी ने फिर रफ्तार पकड़ ली है. मंगलवार और बुधवार को निवेशकों की मुनाफावसूली के कारण सोने की कीमतों में अच्छी गिरावट देखी गई. लेकिन गुरुवार की सुबह आते-आते हालात पलट गए सोने के दामों में फिर उछाल देखने को मिला और चांदी ने भी साथ-साथ चमक दिखाई. गुरुवार की सुबह ताजा हलचल के साथ शुरू हुई, जब मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ़ इंडिया पर 10 ग्राम सोने की कीमत में दोपहर 12 बजे के करीब 1.64% की तेजी देखी गई. इस समय तक सोना 1995 रुपए बढ़कर 1,23,852 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया. वहीं चांदी की कीमतों में भी 1.87% की बढ़त देखने को मिली, और चांदी 2716 रुपए बढ़कर 1,48,274 रुपए पहुंच गया. वैश्विक बाजार में स्थिति इससे उल्टी थी. उदाहरण के लिए, स्पॉट गोल्ड लगभग $4,084.29 प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा था, जो कि गिरावट को दर्शाता है. इसके पीछे कारण यह था कि अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ और डॉलर की स्थिति मज़बूत होती है, तो सोना दूसरे मुद्राओं में महंगा हो जाता है. इसके चलते सोना सुरक्षित निवेश की भूमिका में थोड़ा ढीला दिखा. मार्केट में यह भी विचार था कि अगले कुछ दिनों में अमेरिका से महंगाई (इन्फ्लेशन) से जुड़े अहम आंकड़े आ सकते हैं.

आरबीआई के सोने का भंडार 880 टन पार

नई दिल्ली.

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार एक बार फिर सोने की चमक से जगमगा उठा है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने सितंबर 2025 के आखिर तक कुल 880.18 मीट्रिक टन सोना अपने भंडार में शामिल कर लिया है। दिलचस्प बात यह है कि सिर्फ सितंबर महीने में ही 200 किलोग्राम (0.2 मीट्रिक टन) सोना जोड़ा गया। बढ़ती वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच सोने को सुरक्षित निवेश मानते हुए इसकी मांग में जोरदार बढ़ोतरी देखी जा रही है।

आरबीआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 26 सितंबर 2025 तक सोने का कुल मूल्य 95 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब ₹.9 लाख करोड़) तक पहुंच गया है। केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही (अप्रैल से सितंबर) में कुल 0.6 मीट्रिक टन यानी 600 किलोग्राम सोना खरीदा है। इनमें से जून में 400 किलो और सितंबर में 200 किलो की खरीदारी शामिल है.

पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में रिजर्व बैंक ने 54.13 मीट्रिक टन सोना जोड़ा था, जो पिछले एक दशक में सबसे तेज गति से हुआ इजाफा था। इस साल अब तक खरीदारी की रफ्तार भले धीमी हो, लेकिन यह साफ संकेत है कि आरबीआई अब भी सोने को अपने विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा बना रहा है।

आरबीआई बुलेटिन के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी केंद्रीय बैंकों ने तीसरी तिमाही में 166 टन सोना खरीदा, जिससे गोल्ड की मांग और कीमत दोनों में बढ़ोतरी हुई। सितंबर में अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना अपने अब तक के हाई लेवल पर पहुंच गया। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका और यूरोप में ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता, डॉलर की मजबूती और मध्य-पूर्व में जारी तनाव ने निवेशकों को फिर से सोने की ओर आकर्षित किया है।

आर्थिक जानकारों का कहना है कि सोने की लगातार खरीद आरबीआई की रणनीतिक सोच का हिस्सा है। यह न केवल विदेशी मुद्रा भंडार को विविधता प्रदान करता है, बल्कि वैश्विक वित्तीय अस्थिरता के दौर में भारत की वित्तीय सुरक्षा कवच के रूप में भी काम करता है।

जानी मानी ई-कॉमर्स कंपनी ने रोबोट्स को दी नौकरी

नई दिल्ली.

एक रिपोर्ट ने फिर रोजगार क्षेत्र हलचल मचा दी है. हाल ही में आई न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की सबसे बड़ी ई- कॉमर्स कंपनी अमेजन अपने गोदामों और डिलीवरी सेंटरों में रोबोट्स को नौकरी पर रखने की दिशा में तेजी से काम कर रही है. कंपनी का मानना है कि, इंसानों की तुलना में रोबोट्स पर कम पैसे खर्च करना पड़ेगा और साथ ही काम भी पहले से ज्यादा तेजी से हो पाएगा. इस खबर ने फिर से, एआई के बढ़ते खतरे और इसके फायदों के बीच बहस छेड़ दी है. हालांकि, इस खबर से लोगों की नौकरी पर जरूर खतरा मंडरा रहा है.

कंपनी को उम्मीद है कि, इंसानों की जगह पर रोबोट्स को प्रोडक्ट पिक करने, पैक करने और डिलीवर करने में कम लागत आएगा. कंपनी ने अनुमान लगाया है कि, उसे प्रत्येक आइटम पर 30 सेंट की बचत होगा. जिससे सीधे तौर पर कंपनी को आर्थिक फायदा होगा और कंपनी 2025 से 2027 के बीच करीब 12.6 अरब डॉलर की बचत कर पाएगा. अमेजन ने, हाल ही में एक ऐसे गोदाम की शुरुआत की है, जहां पर 1000 रोबोट्स काम कर रहे है. साथ ही कर्मचारियों की संख्या 25 प्रतिशत कम हो गई है. रोबोट्स ही सामान पिक करने से लेकर पैक करने तक के काम खुद से ही कर रहे है. कंपनी की योजना है कि, 2027 तक लगभग 1.6 लाख नौकरियां कम की जाए और इनकी जगह रोबोट्स को काम पर लगाया जाए. ताकि भविष्य में हजारों नौकरियों पर निर्भरता ना रहे. कंपनी अपने काम का 75 प्रतिशत हिस्सा पूरी तरह से ऑटोमेशन मोड पर करने की तैयारी कर रही है. जिससे बहुत से लोगों की नौकरियों पर खतरा हो सकता हैं. अमेजन में लगभग 12 लाख कर्मचारी काम करते हैं. अगर रोबोट्स ने इंसानों की जगह ली तो इनकी संख्या में कमी आ सकती है. अगर, कमी नहीं भी आई तो नए रोजगार के सृजन के अवसर कम ही दिख रहे है. हालांकि, नई टेक्नोलॉजी के आने से कुछ कुशल कर्मचारियों की जरूरत भी होगी. जिससे नए रोजगार के अवसर भी खुल सकते है.

रिपोर्ट पर अमेजन ने दी है प्रतिक्रिया

अमेजन ने रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि, न्यूयॉर्क टाइम्स ने कंपनी की पूरी योजना लोगों को नहीं बताई. अमेजन की प्रवक्ता केली नैन्टल ने कहा कि, त्योहारी सीजन के लिए 2.5 लाख नए कर्मियों की भर्ती की जा रही है. हालांकि, यह बात स्पष्ट नहीं की गई कि, उनमें से कितने कर्मचारियों को स्थायी तौर पर नौकरी दी जाएगी.

रूसी तेल कंपनियों पर ट्रंप के प्रतिबंध

वाशिंगटन. अमेरिकी ट्रंप प्रशासन की ओर से रूसी तेल कंपनियों पर लगाए गए नए प्रतिबंधों पर मॉस्को ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है. रूस ने कहा कि ट्रंप सरकार के इस फैसले से शांति प्रयासों को झटका लगेगा और देश अपने हितों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएगा. मॉस्को का कहना है कि यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए जो भी कूटनीतिक पहलें अब तक की गई थीं, उन्हें अमेरिका ने ऐसे कदम उठाकर कमजोर कर दिया है.एफपी की रिपोर्ट के अनुसार, रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाखारोवा ने कहा कि वे अमेरिका के इस कदम को "विपरीत दिशा में उठाया गया फैसला" मानती हैं, जिससे यूक्रेन विवाद के समाधान में कोई मदद नहीं मिलेगी. वहीं, रूसी अधिकारियों ने यह भी दावा किया कि मॉस्को ने पश्चिमी प्रतिबंधों से निपटने के लिए मजबूत प्रतिरोधी तंत्र विकसित कर लिया है, और भविष्य में आर्थिक एवं ऊर्जा क्षेत्रों में भी इन तंत्रों को और सशक्त किया जाएगा. दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को रूस की दो प्रमुख तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकाइल पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी.

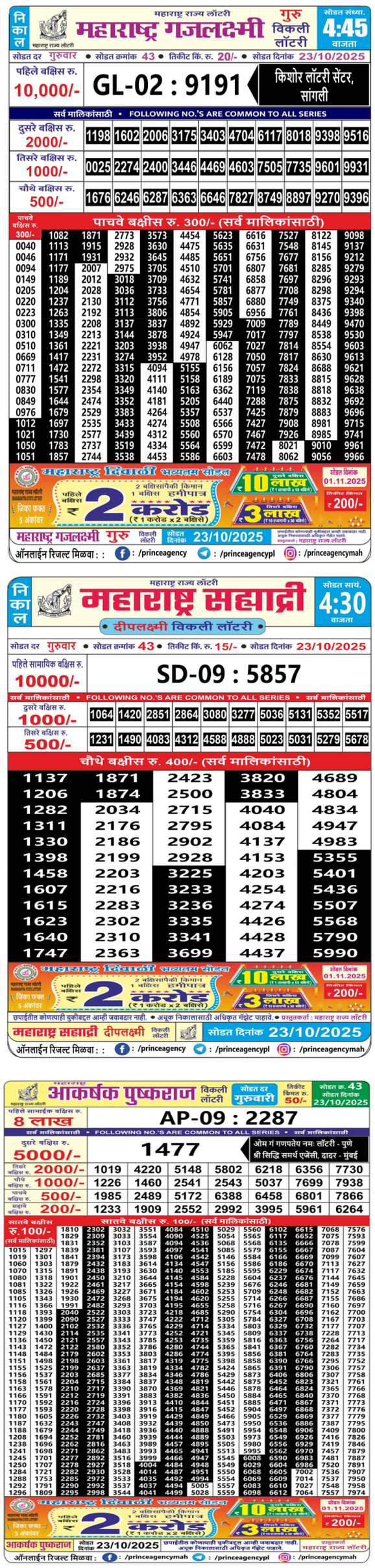

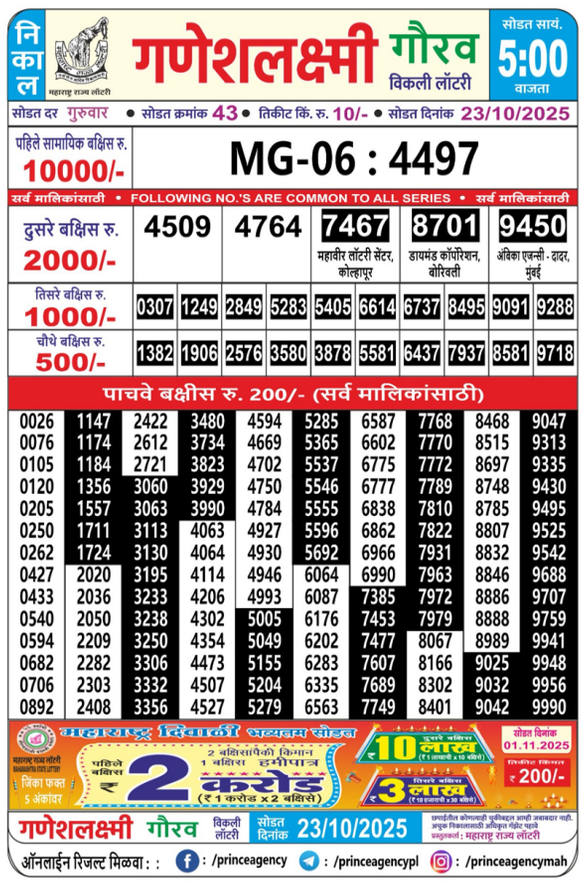

१- श्रद्धा सबूरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड वनडे जीतकर सीरीज कीअपने नाम

भारत 0-2 से पिछड़ा

कैनबेरा. पर्थ वनडे हारने के बाद एडिलेड में भी टीम इंडिया ने मैच गंवा दिया और इसके साथ ही उसके हाथ से सीरीज भी चली गई. इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 264 रन बनाए और जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने ये लक्ष्य बड़ी 8 विकेट खोकर हासिल कर लिया. ऑस्ट्रेलिया की जीत उसके गेंदबाजों और फिर बल्लेबाजों ने तय की. पहले युवा तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट ने 3 विकेट चटकाए. जंपा को भी चार सफलताएं मिली और उसके बाद मैथ्यू शॉर्ट ने अर्धशतक और कॉनोली और मिचेल ओवन ने बेहतरीन बैटिंग कर अपनी टीम को मैच और सीरीज जिता दी. ये जीत इसलिए भी खास है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में 17 साल बाद भारत को वनडे मैच हराया है.

पर्थ की तरह एडिलेड में भी टीम इंडिया टॉस हार गई नतीजा ऑस्ट्रेलिया ने फील्डिंग चुनी. भारत की शुरुआत खराब रही, कप्तान गिल 9 रन बनाकर आउट हो गए. कोहली तो खाता ही नहीं खोल पाए. करियर में पहली बार वो लगातार दो वनडे मैचों में जीरो पर निपट गए. हालांकि इसके बाद रोहित और अय्यर ने शतकीय साझेदारी कर टीम इंडिया की वापसी कराई. रोहित ने 73 रनों की पारी खेली और अय्यर ने 61 रन बनाए. अक्षर पटेल ने 44 रन बनाए. टीम इंडिया किसी तरह 264 रन तक पहुंच पाई.

ऑस्ट्रेलिया ने जीता मैच

ऑस्ट्रेलिया के लिए 265 रनों का लक्ष्य कम साबित हुए. टीम की शुरुआत खराब रही, मिचेल मार्श 11 रन बनाकर आउट हो गए.

ट्रेविस हेड ने भी 28 रनों की पारी खेली लेकिन मैथ्यू शॉर्ट ने 78 गेंदों में 74 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया की वापसी कराई. मैथ्यू रेनशॉ ने 30 रन बनाए. एलेक्स कैरी 9 रन बनाकर आउट हुए तो ऐसा लगा टीम इंडिया वापसी कर देगी. लेकिन युवा खिलाड़ी कूपर कॉनोली ने नाबाद अर्धशतक लगाकर और मिचेल ओवन ने 23 गेंदों में ताबड़तोड़ 36 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को मैच जिता दिया. तीसरा वनडे मैच सिडनी में 25 अक्टूबर को खेला जाएगा. अब टीम इंडिया के सामने लक्ष्य होगा कि वो सीरीज क्लीन स्वीप होने से बचाए.

स्मृति मंधाना का धमाका

न्यूजीलैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप में तूफानी शतक

मुंबई. टीम इंडिया की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एक शानदार शतक जमा दिया. आईसीसी विमेंस वर्ल्ड कप 2025 में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में मंधाना ने सिर्फ 88 गेंदों में अपना विस्फोटक शतक पूरा किया. इसके साथ ही मौजूदा वर्ल्ड कप में मंधाना ने पहली बार सेंचुरी जड़ दी. नवी मुंबई में हुए इस मुकाबले में टीम इंडिया ने पहले बैटिंग की और मंधाना ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बैटिंग से जोरदार शुरुआत दिलाई. मंधाना ने लगातार तीसरे मैच में 50 का आंकड़ा पार किया लेकिन इस बार भारतीय उप-कप्तान ने इसे शतक में तब्दील करके ही दम लिया. विमेंस वर्ल्ड कप 2025 में मंधाना की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और शुरुआती 3 पारियों में वो एक बार भी 30 का आंकड़ा नहीं छू सकी थीं. मगर उसके बाद स्टार ओपनर अपने रंग में लौट आईं और रन की बारिश शुरू कर दी. ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ लगातार 2 अर्धशतकीय पारियां खेलने के बाद मंधाना ने न्यूजीलैंड के खिलाफ भी एक दमदार इनिंग खेलकर टीम इंडिया को धमाकेदार शुरुआत दिलाई. हालांकि, ऑस्ट्रेलिया (80) और इंग्लैंड (88) के खिलाफ तो स्मृति मंधाना शतक पूरे नहीं कर पाई थीं लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने ये मौका नहीं गंवाया. भारतीय स्टार ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 88 गेंदों में अपना शतक पूरा कर दिया. मंधाना ने 31वें ओवर में 1 रन लेकर इस वर्ल्ड कप में अपना पहला और करियर का 14वां शतक जमा दिया. मंधाना का महिला वर्ल्ड कप के इतिहास में ये तीसरा शतक है. उन्होंने इससे पहले 2017 और 2022 के वर्ल्ड कप में भी एक-एक शतक जमाया था. इसके साथ ही उन्होंने वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा शतक के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली. इतना ही नहीं, मंधाना ने महिला वनडे क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा शतक के मामले में अकेले दम पर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है. मंधाना के अब 14 शतक हो गए हैं और उनसे आगे सिर्फ पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज मेग लैनिंग (15) हैं, जो अब रिटायर हो चुकी हैं.संयोग से इससे पहले मंधाना और न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स ही 13-13 शतकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर थे. जैसे ही मंधाना ने उन्हें पीछे छोड़ा, बेट्स ने ही उनकी पारी का अंत किया. मंधाना ने 95 गेंदों में 109 रन की बेहतरीन पारी खेली, जिसमें 10 चौके और 4 छक्के शामिल थे

एशिया कप ट्रॉफी विवाद

पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने सेरेमनी कराने का किया ऐलान

नई दिल्ली. एशिया कप 2025 का खिताब जीतने के बावजूद टीम इंडिया को अब तक ट्रॉफी नहीं मिल पाई है। इस अनोखे विवाद ने पूरे क्रिकेट जगत का ध्यान खींच लिया है। जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी व्यक्तिगत रूप से भारतीय टीम को ट्रॉफी अपने हाथों से देना चाहते हैं, लेकिन टीम इंडिया ने अब तक इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। इसी कारण एशिया कप ट्रॉफी को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब मोहसिन नकवी ने इस मामले को सुलझाने के लिए एक विशेष सेरेमनी आयोजित करने का फैसला किया है, जिसमें वे खुद भारतीय टीम को ट्रॉफी सौंपना चाहते हैं। उनके इस फैसले ने क्रिकेट फैंस और अधिकारियों को चौंका दिया है, क्योंकि आमतौर पर टूर्नामेंट खत्म होते ही विजेता टीम को ट्रॉफी दी जाती है। सूत्रों के अनुसार, एसीसी इस समारोह की तारीख और स्थान को अंतिम रूप देने में जुटी है। माना जा रहा है कि यह कार्यक्रम किसी न्यूट्रल वेन्यू पर कराया जा सकता है, ताकि दोनों बोर्ड के बीच का विवाद शांतिपूर्ण ढंग से निपटाया जा सके। हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से अब तक इस प्रस्ताव पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। प्रशंसक अब यह देखने के इंतजार में हैं कि क्या टीम इंडिया आखिरकार ट्रॉफी स्वीकार करेगी या विवाद और लंबा खिंच जाएगा।

मोहसिन नकवी ने उठाया बड़ा कदम

एशिया कप ट्रॉफी को लेकर गतिरोध जारी है. इस दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ट्रॉफी के लिए एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी से संपर्क कर रहा है. रिपोर्ट्स के मुताबिक मोहसिन नकवी ने कराची में पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि एसीसी ने बीसीसीआई को सूचित किया है कि भारत को ट्रॉफी सौंपने के लिए 10 नवंबर को दुबई में एक औपचारिक समारोह आयोजित किया जाएगा.

मोहसिन नकवी ने क्या कहा?

पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कराची में मीडिया से कहा कि बीसीसीआई के साथ कई लेटर्स का आदान-प्रदान हुआ है और एशियन क्रिकेट काउंसिल ने उन्हें सूचित किया है कि हम 10 नवंबर को दुबई में एक सेरेमनी का आयोजन किया जा सकता है. इसमें हमने भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और उनकी टीम, साथ ही बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला को आमंत्रित किया है. उन्होंने बताया, "एसीसी ने बीसीसीआई को लिखा है कि 10 नवंबर को दुबई में एक समारोह आयोजित किया जा सकता है. अपने कप्तान और खिलाड़ियों को लेकर आए और मुझसे ट्रॉफी प्राप्त करें". इस बीच बीसीसीआई आईसीसी और एसीसी की बैठकों में इस मुद्दे को उठाने पर विचार कर रहा है. आईसीसी बोर्ड की बैठक 4 से 7 नवंबर तक दुबई में होने वाली है. आईसीसी के अध्यक्ष बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह हैं. एशिया कप की ट्रॉफी एसीसी मुख्यालय में रखी हुई है.

साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को हराया सीरीज 1-1 से बराब

नई दिल्ली. पाकिस्तान क्रिकेट टीम को 8 दिन के अंदर ही बड़ा झटका लगा है. 15 अक्टूबर को ये टीम टॉप-2 में शामिल थी, लेकिन 23 अक्टूबर आते-आते वो टॉप-2 से बाहर हो गया. रावलपिंडी में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हरा दिया. इसके साथ ही 2 टेस्ट मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई है. पाकिस्तान के हारते ही टीम इंडिया को बड़ा फायदा हो गई और वो टॉप-3 में पहुंच गया.

पाकिस्तान को हुआ बड़ा नुकसान

साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान ने 93 रनों से जीत दर्ज की थी. इस जीत के साथ ही टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) 2025-27 के पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंच गई थी, जबकि टीम इंडिया को एक स्थान का नुकसान हुआ था. अब 8 दिन के बाद ही सबकुछ बदल गया है. रावलपिंडी में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में साउथ अफ्रीका ने मेजबान टीम को हराकर इस चैंपियनशिप में अपना खाता खोल लिया है. इसके अलावा पाकिस्तान डब्लूटीसी के पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान से फिसलकर चौथे स्थान पर पहुंच गया है. भारत चौथे स्थान से तीसरे नंबर पर पहुंच गया है. इस दौरान इंग्लैंड को बड़ा नुकसान हुआ है.

इंग्लैंड को फिर हुआ नुकसान

पाकिस्तान के हारते ही इंग्लैंड को बड़ा नुकसान हो गया और वो टॉप-4 से भी बाहर हो गया. इस दौरान डब्लूटीसी 2023-25 की चैंपियन साउथ अफ्रीका ने अपना खाता खोलते हुए इंग्लैंड को नीचे ढकेल दिया. साउथ अफ्रीका इस पॉइंट्स टेबल के पांचवें नंबर पर पहुंच गया है. इंग्लैंड को छठे स्थान से संतोष करना पड़ रहा है. ऑस्ट्रेलिया की टीम अभी भी टॉप पर बनी हुई है. दूसरे नंबर पर श्रीलंका की टीम पहुंच गई है. पाकिस्तान की टीम अब अगला टेस्ट मैच मार्च 2026 में बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी. इस दौरान बांग्लादेश 2 टेस्ट मैचों की सीरीज की मेजबानी करेगा. रावलपिंडी में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पाकिस्तान ने पहली पारी में 333 रन बनाए. जवाब में मेहमान टीम ने पहली पारी 404 रन बनाए. दूसरी पारी में मेजबान टीम की दूसरी पारी केवल 138 पर सिमट गई. दूसरी पारी में 73 रनों के लक्ष्य को साउथ अफ्रीका ने दो विकेट खोकर हासिल कर लिया.

तीन ऑलराउंडर उतारकर क्या कर लिया?

एजेंसी : टीम इंडिया के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा अच्छा साबित नहीं हुआ और शुरुआती 3 मैच में ही उसने वनडे सीरीज गंवा दी. नए कप्तान शुभमन गिल और विराट कोहली-रोहित शर्मा की वापसी को लेकर इस सीरीज पर ज्यादा फोकस रहा. मगर इस सीरीज में टीम इंडिया का प्रदर्शन औसत से भी खराब रहा और वो मुकाबले की स्थिति में नहीं दिखी. मगर इसमें खिलाड़ियों के प्रदर्शन के अलावा कोच गौतम गंभीर की जिद भी सवालों के घेरे हैं कि आखिर क्यों उन्होंने दोनों मैच में तीन ऑलराउंडर खिलाने की ठानी, जिसका कोई भी फायदा टीम को नहीं हुआ.एडिलेड में गुरुवार 23 अक्टूबर को वनडे सीरीज के दूसरे मैच में भी ऑस्ट्रेलिया ने टीम इंडिया को हरा दिया. इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बैटिंग की थी और 9 विकेट खोकर 264 रन बनाए थे.

ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट खोकर ये लक्ष्य 47 ओवर के अंदर हासिल कर लिया. इससे पहले पर्थ में खेले गए मुकाबले में मेजबान टीम ने जीत दर्ज की थी. इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे मैच से पहले ही सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली.टीम इंडिया की हार में कप्तान शुभमन गिल, विराट कोहली और केएल राहुल जैस बल्लेबाजों की नाकामी के साथ ही खराब फील्डिंग भी हर किसी के निशाने पर है, जो कि सही भी है.

ऑस्ट्रेलिया विमेंस टीम ने इंग्लैंड को 6 विकेट से हराया

इंदौर. आईसीसी विमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2025 में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी विजयी लय बरकरार रखते हुए बुधवार को इंदौर के होलकर स्टेडियम में इंग्लैंड को 6 विकेट से मात दी। यह टीम की टूर्नामेंट में लगातार पांचवीं जीत रही, जिसके साथ ऑस्ट्रेलिया पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर पहुंच गया। वहीं इंग्लैंड को पहली हार झेलनी पड़ी और वह 9 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 244 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने लक्ष्य को मात्र 41वें ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

इंग्लैंड की मजबूत शुरुआत के बाद गिरा क्रम

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लिश टीम ने अच्छी शुरुआत की। ओपनर टैमी ब्यूमोंट (78) और विकेटकीपर एमी जोन्स (18) ने फिफ्टी पार्टनरशिप की। कप्तान नैटली सिवर-ब्रंट (7) और हीथर नाइट (20) जल्द आउट हो गईं। इसके बाद मिडिल ऑर्डर भी टिक नहीं पाया — एलिस कैप्सी (38) और चार्ली डीन (26) ने कुछ रन जोड़े, लेकिन टीम 9 विकेट खोकर 244 रन तक सीमित रही। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एनाबेल सदरलैंड ने 3 विकेट लिए, जबकि एश्ले गार्डनर और सोफी मोलेनिक्स ने 2-2 विकेट हासिल किए। अलाना किंग को 1 विकेट मिला।

गार्डनर और सदरलैंड की करिश्माई साझेदारी

लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 24 रन पर 3 विकेट गंवा दिए। फीबी लिचफील्ड (1), जॉर्जिया वोल (6) और एलिस पेरी (13) जल्दी आउट हो गईं। बेथ मूनी (20) भी ज्यादा देर नहीं टिक सकीं। इसके बाद एश्ले गार्डनर और एनाबेल सदरलैंड ने टीम को मुश्किल स्थिति से निकाला। दोनों ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 180 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की। गार्डनर ने 73 गेंदों में 104 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 16 चौके शामिल थे। उन्होंने सिर्फ 69 गेंदों में शतक पूरा किया, जो विमेंस वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे तेज शतक है। सदरलैंड ने भी नाबाद 98 रन (112 गेंद, 9 चौके, 1 छक्का) बनाकर शानदार साथ निभाया। इंग्लैंड की ओर से लिंसी स्मिथ ने 2 विकेट लिए, जबकि लौरेन बेल और सोफी एकलस्टन को 1-1 सफलता मिली। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड कप में अपना दबदबा कायम रखा और सेमीफाइनल की ओर मजबूती से कदम बढ़ा दिये।

वर्ल्ड कप 2025: प्रतिका रावल का शतक

मुंबई. आईसीसी विमेंस वर्ल्ड कप 2025 में भारत की युवा ओपनर प्रतिका रावल ने एक यादगार शतक जमा दिया. न्यूजीलैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप के लीग मैच में प्रतिका ने वनडे क्रिकेट में अपना दूसरा और टूर्नामेंट का पहला शतक जमा दिया. प्रतिका ने अपने वनडे करियर की 23वीं पारी में ये दूसरा शतक जमाया. इसके साथ ही उन्होंने स्टार ओपनर स्मृति मंधाना के साथ मिलकर दोहरा शतकीय साझेदारी की और साथ ही खास इतिहास भी रच दिया. मंधाना ने भी इस मैच में शतक जमाया था और इस तर महिला वर्ल्ड कप के इतिहास में पहली बार किसी भारतीय ओपनिंग जोड़ी ने एक ही मैच में शतक जमा दिया. नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में गुरुवार 23 अक्टूबर को वर्ल्ड कप के अपने एक अहम मुकाबले में टीम इंडिया पहले बैटिंग के लिए उतरी. इस टूर्नामेंट में उतार-चढ़ाव भरे प्रदर्शन के कारण सवालों के घेरे में आ रही युवा ओपनर प्रतिका रावल के पास खुद को साबित करने का ये एक अच्छा मौका था और दिल्ली से आने वाली दाएं हाथ की इस बल्लेबाज ने निराश नहीं किया. अपनी सीनियर और ज्यादा विस्फोटक ओपनर स्मृति मंधाना के साथ मिलकर प्रतिका ने टीम इंडिया को दोहरा शतकीय साझेदारी निभाई.

इस दौरान मंधाना अपना शतक जमाने के बाद आउट हो गईं लेकिन फिर प्रतिका ने खुद सैकड़े तक पहुंचकर अपना इंतजार खत्म किया. अपना पहला ही वर्ल्ड कप खेल रही प्रतिका ने टूर्नामेंट में दूसरी बार 50 का आंकड़ा पार किया और फिर 120 गेंदों में अपने करियर का दूसरा शतक जमा दिया. साथ ही वर्ल्ड कप में पहली बार उन्होंने अपना शतक भी पूरा किया. प्रतिका के दोनों शतक इसी साल आए हैं.इससे पहले उन्होंने अपने छठे वनडे मैच में सेंचुरी जमाई थी और अब 23वें मैच में उन्होंने दूसरा शतक जमाया.प्रतिका के शतक के साथ ही भारतीय क्रिकेट में एक खास इतिहास भी रच दिया गया. महिला वर्ल्ड कप के इतिहास में ये सिर्फ तीसरा मैच है, जिसमें दोनों ओपनर्स ने शतक जमाया है.

एडिलेड में टीम इंडिया की फील्डिंग फ्लॉप

राहुल–सिराज–अक्षर की बड़ी गलतियों से गवाया मैच

कैनबेरा. एडिलेड ओवल में भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजों ने तो निराश किया ही लेकिन इसके बाद फील्डिंग के मोर्चे पर इस टीम ने खराब प्रदर्शन की हदें ही तोड़ दी. टीम के 3 सीनियर खिलाड़ी केएल राहुल, मोहम्मद सिराज और अक्षर पटेल ने बेहद ही खराब फील्डिंग कर ऑस्ट्रेलिया को फायदा पहुंचाया और टीम इंडिया का भयानक नुकसान कराया. आइए आपको बताते हैं कि केएल राहुल, अक्षर पटेल और मोहम्मद सिराज ने क्या गलतियां की जिसका नुकसान टीम इंडिया को हुआ.

अक्षर पटेल ने छोड़ा कैच

अक्षर पटेल ने ऑस्ट्रेलिया के टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट को जीवनदान दिया. 16वें ओवर में नीतीश रेड्डी की गेंद पर अक्षर पटेल ने पॉइंट एरिया में शॉर्ट का कैच छोड़ दिया. उस वक्त ये खिलाड़ी 24 रनों पर खेल रहा था. अगर ये कैच लपक लिया जाता तो मैच भारत के पक्ष में जा सकता था.

केएल राहुल और सिराज ने भी दिया जीवनदान

मैथ्यू शॉर्ट को अक्षर पटेल ने ही नहीं केएल राहुल और मोहम्मद सिराज ने भी जीवनदान दिया.29वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने भी शॉर्ट को जीवनदान दिया. सुंदर की गेंद पर बेहद आसान कैच था और प्वाइंट पर खड़े सिराज ने बचकानी गलती करते हुए टीम इंडिया को नुकसान पहुंचा दिया. मैथ्यू शॉर्ट को एक समय रन आउट करने का भी मौका था. मैट रेन शॉ जब अपना पहला रन ले रहे थे तो उनके और शॉर्ट के बीच रन को लेकर गलतफहमी हुई थी लेकिन केएल राहुल स्ट्राइकर एंड पर गेंद कलेक्ट करने ही नहीं पहुंचे नतीजा शॉर्ट को जीवनदान मिल गया. बता दें टीम इंडिया ने इस मैच में कुल तीन कैच और एक रन आउट छोड़ा जिसका नतीजा ये रहा कि ऑस्ट्रेलिया ने ये मैच 2 विकेट से जीत लिया. अगर फील्डिंग अच्छी हुई होती तो इस मैच का नतीजा टीम इंडिया के पक्ष में जा सकता था.

एडिलेड में विराट कोहली फ्लॉप

कैनबरा. एडिलेड ओवल में खेले गए वनडे मुकाबले में टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का बल्ला एक बार फिर खामोश रहा। अनुभवी बल्लेबाज चार गेंदों तक ही क्रीज पर टिक पाए और बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। ऑस्ट्रेलिया के युवा तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट ने कोहली को बेहतरीन गेंदबाजी से चकमा दिया। उन्होंने अपनी पहली तीन गेंदें बाहर की ओर स्विंग कराईं, जिससे कोहली को लगा कि गेंदें बाहर जाती रहेंगी। लेकिन चौथी गेंद पर बार्टलेट ने शानदार इनस्विंग डिलीवरी फेंकी, जो सीधे कोहली के पैड पर लगी और अंपायर ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट दे दिया। यह पहला मौका था जब जेवियर बार्टलेट ने विराट कोहली का विकेट लिया। दिलचस्प बात यह है कि बार्टलेट ने कोहली को 4995 दिन बाद इस तरह एलबीडब्ल्यू आउट किया — पिछली बार 2011 के बाद किसी ऑस्ट्रेलियाई युवा तेज गेंदबाज ने उन्हें इतनी जल्दी आउट नहीं किया था। कोहली की इस नाकामी के बाद भारतीय फैंस निराश दिखे, क्योंकि यह लगातार दूसरा मौका था जब वे वनडे में शून्य पर आउट हुए। अब सबकी नजरें सिडनी में होने वाले तीसरे वनडे पर होंगी, जहां कोहली से बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी।विराट कोहली एडिलेड में एलबीडबल्यू आउट हुए. बता दें एडिलेड के मैदान पर दूसरी बार विराट कोहली ने इस तरह अपना विकेट गंवाया है. 14 फरवरी, 2012 में भी विराट इसी मैदान पर ऐसे ही एलबीडब्ल्यू आउट हुए थे. खैर, अब आपको बताते हैं जेवियर बार्टलेट और विराट कोहली के उस रिश्ते के बारे में जो बहुत कम फैंस जानते हैं.13 साल पहले एडिलेड के ही मैदान पर विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सैकड़ा लगाया था. साल 2012 में विराट कोहली के बल्ले से निकली उस पारी को बतौर फैन जेवियर बार्टलेट ने भी देखा थे. उस वक्त बार्टलेट महज 12 साल के थे. बार्टलेट को विराट की वो पारी इतनी अच्छी लगी कि वो उनके फैन ही बन गए. लेकिन अब देखिए कैसे बार्टलेट ने अब अपने ही हीरो को उसी एडिलेड के मैदान पर आउट भी कर दिया.

जेवियर बार्टलेट स्विमर से बने क्रिकेटर

6 फीट 5 इंच लंबे जेवियर बार्टलेट ऑस्ट्रेलिया में अपनी गेंदबाजी के लिए मशहूर हैं लेकिन ये खिलाड़ी पहले स्विमिंग करता था. शुरुआती दिनों में ये खिलाड़ी जूनियर गेम्स में स्विमिंग करता था और वहां उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन भी किया लेकिन इसके बाद उनका रुझान क्रिकेट की ओर ज्यादा हुआ और 17 साल की उम्र तक इस खिलाड़ी ने अपना दम दिखा दिया. क्वींसलैंड में उन्हें कॉन्ट्रैक्ट मिला और साल 2018 में वो अंडर 19 वर्ल्ड कप भी खेले.

शीतकाल के लिए बंद हुए केदारनाथ धाम के कपाट

देहरादून.

उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इस मौके पर केदारनाथ धाम में भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

गुरुवार को भाई दूज के मौके पर सुबह करीब 8:30 बजे अगले छह महीने के लिए केदारनाथ धाम के कपाट बंद कर दिए गए। हजारों श्रद्धालुओं ने भी बाबा के दर्शन किए। इस दौरान पूरी केदारघाटी हर हर महादेव और जय बाबा केदार के जयघोष से गूंज उठी।

इस मौके पर सीएम पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहे। वहीं, यमुनोत्री धाम के कपाट गुरुवार दोपहर 12:30 बजे शीतकाल के लिए बंद हुए। अब 6 महीने तक बाबा केदार की पूजा शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में होगी। कपाट बंद होने के बाद भगवान शिव की चल डोली शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ के लिए रवाना हुई। यात्रा के पहले दिन, यानी गुरुवार को डोली रामपुर में रात्रि विश्राम की । इसके बाद आज को गुप्तकाशी पहुंचेगी। तीसरे दिन 25 अक्टूबर को डोली अपने शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ पहुंचेगी। यहां बाबा केदार की पूजा-अर्चना और दर्शन की व्यवस्था पूरे 6 महीने तक की जाएगी। आंकड़ों के मुताबिक, पिछला रिकॉर्ड 2024 में बना था, जब पूरे यात्राकाल में 16.52 लाख से अधिक तीर्थयात्री दर्शन के लिए केदारनाथ मंदिर पहुंचे थे, जबकि बदरीनाथ के दर्शन के लिए 14.35 लाख श्रद्धालु गए थे।

केदारनाथ और बदरीनाथ में रिकॉर्ड श्रद्धालु पहुंचे

उत्तराखंड में मानसून के दौरान आपदाओं के कारण बार-बार बाधित हुई चारधाम यात्रा ने बर्फबारी और लगातार खराब मौसम के बावजूद रफ्तार पकड़े रही। केदारनाथ और बदरीनाथ मंदिर में उमड़े श्रद्धालुओं की संख्या ने नये रिकॉर्ड कायम किए। केदारनाथ में जहां इस साल दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या बुधवार को 16.56 लाख के पार चली गई, वहीं बदरीनाथ में यह आंकड़ा 14.53 लाख से अधिक हो गया।

आइसलैंड में पहली बार क्यों देखे गए मच्छर

रेक्जाविक.

आइसलैंड में पहली बार मच्छर देखे गए हैं. इस महीने तीन मच्छर पाए गए, जिनमें दो मादा और एक नर है. यह देश इससे पहले मच्छरों से पूरी तरह मुक्त था. इन मच्छरों को क्जोस नाम के कस्बे में रहने वाले ब्योर्न ह्जाल्टासन ने अपने बगीचे में देखा. उन्होंने कहा कि उन्हें तुरंत समझ आ गया कि ये कीड़ा कुछ अलग है जो पहले उन्होंने कभी नहीं देखा था. बाद में आइसलैंड के इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरल हिस्ट्री ने पुष्टि की कि ये मच्छर कुलिसेटा एनुलाटा प्रजाति के हैं. यह कुछ ही मच्छर प्रजातियों में से एक हैं, जो सर्दियों में भी जिंदा रह सकते हैं.

आइसलैंड बहुत ठंडा देश है. मच्छर जैसे कीड़े ठंड में जिंदा नहीं रह सकते क्योंकि वे ठंडे खून वाले जीव होते हैं. वे अपने शरीर का तापमान नहीं बना सकते, इसलिए उन्हें गर्म वातावरण चाहिए. गर्म देशों में मच्छर आराम से रहते हैं, अंडे देते हैं और इंसानों को काटते हैं. लेकिन आइसलैंड की ठंड पहले उनके लिए अनुकूल नहीं थी. लेकिन मौसम में बदलाव से मच्छरों को अनुकूल तापमान मिला है.

वैज्ञानिकों का कहना है कि यह साफ नहीं है कि मच्छर आइसलैंड कैसे पहुंचे, लेकिन इसकी सबसे बड़ी वजह ग्लोबल वॉर्मिंग को माना जा रहा है. अब आइसलैंड में गर्मी बढ़ रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, आइसलैंड का तापमान उत्तरी गोलार्ध के बाकी देशों की तुलना में चार गुना तेजी से बढ़ रहा है. 2025 में मई के महीने में कई हिस्सों में 10 दिन लगातार 20°C से ज्यादा तापमान रहा. एग्लिस्स्तादिर एयरपोर्ट पर 26.6°C दर्ज किया गया, जो मई का सबसे गर्म दिन था. अब यहां मच्छरों के लिए सही माहौल बन गया है, यानी गर्मी और नमी. गर्मी से मच्छरों के अंडे जल्दी फूटते है. लार्वा जल्दी बड़ा होता है. मादा मच्छर ज्यादा बार इंसान को काटती हैं, क्योंकि खून जल्दी पचता है. 2020 की एक स्टडी में पाया गया कि 10 से 35°C तापमान और 42% से ज्यादा नमी मच्छरों के लिए सबसे अच्छा माहौल है.अब जब आइसलैंड में भी मच्छर आ गए हैं, तो दुनिया में सिर्फ अंटार्कटिका ही एकमात्र इलाका बचा है, जहां मच्छर नहीं हैं. वहां बहुत ठंड होती है, पानी जमी हुई अवस्था में होता है. इसलिए मच्छरों के लिए वहां अंडे देने या जीने की कोई जगह नहीं है.

टेकऑफ करते ही आग का गोला बना विमान

>मौके पर जल गए 2 लोग

वेनेजुएला.

वेनेजुएला के ताचिका राज्य में गुरुवार को एक भयावह विमान हादसा हुआ है.

पैरामिलो एयरपोर्ट से उड़ान भरते ही एक निजी विमान पिए-31 अचानक आग के गोले में तब्दील हो गया. हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल बताए जा रहे हैं. सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिखा कि विमान मुश्किल से जमीन से ऊपर उठा ही था कि अचानक झुकते हुए रनवे पर गिर पड़ा और जोरदार धमाके के साथ फट गया. स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हादसा पैरामिलो एयरफील्ड में दोपहर 12 बजे

हुआ. बताया जा रहा है कि विमान के टेकऑफ के समय उसका एक टायर फट गया, जिससे पायलट का नियंत्रण छूट गया.

कुछ ही सेकेंड में विमान एक तरफ झुक गया और रनवे पर गिरते ही आग की लपटों में घिर गया.

मरने वालों की पहचान टोनी बोरटोन और जुआन मालडोनाडो के रूप में की गई है. दोनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य यात्रियों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है. राहत और बचाव कार्य में फायर ब्रिगेड, सिविल प्रोटेक्शन टीम और बोलीवेरियन नेशनल पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाला.

स्थानीय रिपोर्ट्स के अनुसार, यह विमान सरकारी लॉजिस्टिक गतिविधियों से जुड़ा था. हादसे की जांच जारी है. विमान का मॉडल पाइपर चेयेन. (पिए-31T1) बताया जा रहा है, जिसे 1970 के दशक के आखिर में अमेरिका की कंपनी पाइपर एयरक्राफ्ट ने बनाया था. यह ट्विन-इंजन विमान अपनी परफॉर्मेंस और सुरक्षा के लिए मशहूर माना जाता है.

यह हादसा वेनज़ुएला में पिछले एक महीने में दूसरा बड़ा हवाई दुर्घटना है. सितंबर में भी एक निजी लियरजेट 55 विमान करकास के सिमोन बोलिवार इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ था. उस समय दो यात्री घायल हुए थे. बताया गया था कि तेज़ हवाओं और खराब मौसम के कारण विमान का संतुलन बिगड़ गया था.

प्रतिबंध के बाद भी केकड़ी में पटाखा युद्ध

> 100 से ज्यादा घायल

जयपुर.

राजस्थान के केकड़ी शहर में प्रशासन की रोक के बावजूद इस बार भी पटाखा युद्ध का आयोजन हुआ. हालांकि पुलिस की सख्ती के चलते इस बार का पटाखा युद्ध सड़कों और खुले मैदानों के बजाय गलियों तक ही सीमित रहा. इस दौरान युवाओं ने एक दूसरे पर जलते हुए पटाखे फेंके. पटाखा युद्ध में तमाम लोगों को इस बार भी चोट आई है. परंपरा के मुताबिक दीपावली के दो दिन बाद गोवर्धन पूजा और भैया दूज के दिन स्थानीय लोग टीम बनाकर आमने-सामने होते हैं. एक दूसरे पर जलते हुए पटाखों से हमला करते हैं. एक दूसरे को दौड़ा-दौड़ा कर जलते

हुए पटाखे फेंके जाते हैं. बिल्कुल युद्ध जैसा माहौल होता है. इस पटाखा युद्ध में हर साल तमाम लोगों को चोट आती है. दर्जनों जगह पर आग लग जाती है.

इसके चलते प्रशासन ने इस जानलेवा परंपरा पर कई साल पहले ही प्रतिबंध लगा दिया था. इस बार भी लोगों से पटाखा युद्ध से दूर रहने को कहा गया था, लेकिन प्रशासन की रोक और पुलिस की सख्ती के बावजूद केकड़ी शहर में बुधवार शाम से ही गलियों और बस्तियों में पटाखा युद्ध हो रहा है. एक दूसरे पर जमकर पटाखे बरसाए जा रहे हैं. लोगों को दौड़ा-दौड़ा कर उन पर जलते हुए पटाखे देखे जा रहे हैं. सुतली बम, रॉकेट और अनार से हमला किया जा रहा है.

पटाखा युद्ध को लेकर जगह-जगह इस बार भी घास भैरव को स्थापित किया गया है. पटाखा युद्ध में शामिल होने वाले लोग पहले घास भैरव को नमन करते हैं. इसके बाद उन्हें पटाखा चढ़ाया जाता है. पटाखों को उनसे टच कराने के बाद इस हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाता है. पटाखा युद्ध के चलते तमाम बाजार बंद रहे.

घर से बाहर निकलने वालों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा. कई लोगों को चोट आई। सौ से ज्यादा लोग घायल हुए हैं. पुलिस और प्रशासन की सारी कवायद नाकाम साबित हुई.

स्थानीय मान्यता के मुताबिक खास भैरव की सवारी करने से यहां के लोगों को किसी तरह की बीमारी और अकाल मृत्यु का सामना नहीं करना पड़ता. धार्मिक मान्यता की आड़ में कई दशक पहले एक दूसरे पर पटाखों से हमला करने की परंपरा शुरू हो गई थी.

बचे हुए पटाखों का खेल बना हादसा

> 6 मासूम गंभीर रूप से झुलसे

भोपाल.

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के नौगांव में दीपावली के बचे हुए पटाखों का खेल उस समय एक दर्दनाक हादसे में बदल गया जब पटाखों के बारूद में अचानक विस्फोट हो गया. इस भयावह हादसे में छह बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए. बच्चों को इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है. चिकित्सकों के अनुसार सभी बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है. यह घटना नौगांव थाना क्षेत्र के बिलहरी सुनकर मोहल्ले में हुई.

जानकारी के अनुसार बिलहरी सुनकर मोहल्ले में कुछ बच्चे दीपावली के बचे हुए पटाखों से खेल रहे थे. इन मासूमों ने पटाखों के गुच्छों में से बारूद निकालकर प्लास्टिक के डिब्बों में भर लिया था. यह लापरवाही पलभर में एक बड़े हादसे में बदल गई, जब अचानक तेज धमाके के साथ बारूद फट गया.

तेज धमाके से आसपास का इलाका दहल उठा और मौके पर मौजूद छह बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे के बाद बच्चों के परिजनों और स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई. घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे. उन्होंने तुरंत घायलों का हालचाल जाना और तत्काल सभी बच्चों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कराया.

घटना के बाद नौगांव पुलिस प्रशासन ने मौके का निरीक्षण किया और जांच-पड़ताल शुरू कर दी है. प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि बच्चे पटाखों के बारूद से खेल रहे थे, जिसके कारण यह गंभीर विस्फोट हुआ.

प्रशासन ने इस दर्दनाक घटना के बाद अभिभावकों से विशेष अपील की है कि वे अपने बच्चों को पटाखों और उसके बारूद से दूर रखें. प्रशासन ने सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी है ताकि भविष्य में इस प्रकार की कोई अप्रिय घटना न हो सके.

रील के लिए मुंह में फोड़े 7 सुतली बम

> 8वें धमाके में पूरा जबड़ा ही उड़ गया

भोपाल.

मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में रील बनाने के शौक में एक युवक ने अपनी जिंदगी खतरे में डाल दी। मुंह में सुतली बम रख कर फोड़ने की वजह से उसका जबड़ा उड़ गया। चेहरा भी झुलस गया। इलाज के लिए उसे रतलाम भेजा गया है।

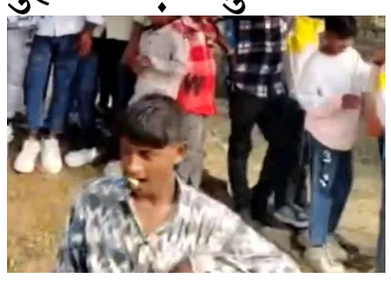

झाबुआ जिले के पेटलावद थाना क्षेत्र के बाछीखेड़ा गांव में बुधवार शाम एक युवक के मुंह में सुतली बम रख कर जला रहा था। वह एक के बाद एक सात बम फोड़ चुका था। आठवां बम फोड़ने के दौरान उससे चूक हो गई और तेज धमाके के साथ उसका जबड़ा उड़ गया। इस हादसे में रोहित का चेहरा बुरी तरह फट और झुलस गया। गांव के कुछ लड़कों के सामने 18 साल का रोहित खुद को हीरो साबित करने के लिए बार-बार मुंह में सुतली बम रखकर जलाने का करतब दिखा रहा था।

हादसे के बाद लोग उसे लेकर पेटलावद अस्पताल पहुंचे। डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति देखते हुए रतलाम जिला अस्पताल रेफर कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रोहित लगातार बम फोड़ रहा था। कहा जा रहा है कि वह सोशल मीडिया ट्रेंड को फॉलो करने की कोशिश कर रहा था। गांव में हुई इस घटना से अफरा-तफरी मच गई। मौके पर कुछ लोग इस घटना का वीडियो बना रहा थे। तभी ये हादसा हो गया।

पेटलावद अस्पताल के बीएमओ डॉ. एमएल चोपड़ा से मिली जानकारों के अनुसार युवक का जबड़ा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है और चेहरे पर गहरे घाव हैं। युवक को अत्यधिक चोटें आई हैं, प्राथमिक उपचार के बाद रतलाम रेफर किया गया है।

सारंगी चौकी प्रभारी दीपक देवरे ने इस घटना को युवक की लापरवाही का नतीजा बताया। उन्होंने युवाओं से सोशल मीडिया पर दिखावे के चक्कर में ऐसे खतरनाक कदम न उठाने की अपील की है।

एयर इंडिया के खाने में बाल मिलने पर 35,000 रु.का जुर्माना

चेन्नई.

23 साल तक चली कानूनी लड़ाई के बाद आखिरकार यात्री पी. सुंदरापरिपोरनम को इंसाफ मिल गया. मद्रास हाई कोर्ट ने एयर इंडिया को आदेश दिया है कि वह यात्री को 35,000 मुआवजे के तौर पर दे. यह मामला साल 2002 का है, जब कोलंबो से चेन्नई जाने वाली एयर इंडिया फ्लाइट में यात्री के खाने में बाल निकला था. 26 जुलाई 2002 को पी. सुंदरापरिपोरनम एयर इंडिया की फ्लाइट IC 574 से सफर कर रहे थे. फ्लाइट में जब उन्हें खाना दिया गया, तो वह सीलबंद पैक था. पैक खोलने पर उन्हें खाने में बाल के रेशे दिखाई दिए. यह देखकर उन्हें घिन आई और वे बीमार हो गए. उन्होंने फ्लाइट में शिकायत करनी चाही, लेकिन कोई शिकायत बॉक्स नहीं था और स्टाफ ने भी ध्यान नहीं दिया.

चेन्नई पहुंचने के बाद उन्होंने एयर इंडिया के डिप्टी जनरल मैनेजर को लिखित शिकायत दी. एयर इंडिया ने पत्र भेजकर खेद जताया और जांच का भरोसा दिया. इसके बाद सुंदरापरिपोरनम ने वकील के जरिए नोटिस भेजा और उल्टी-दस्त और पेट दर्द का हवाला देते हुए 11 लाख के मुआवजे की मांग की. एयर इंडिया ने जवाब में फिर माफी मांगी लेकिन कहा कि यह लापरवाही नहीं, बल्कि खाना बनाने वाले होटल की गलती हो सकती है. एयर इंडिया ने कोर्ट में दलील दी कि खाना चेन्नई के अंबेसडर पल्लवा होटल से मंगवाया गया था, इसलिए जिम्मेदारी होटल की है. साथ ही कहा कि जब यात्री ने पैक खोला, तब किसी दूसरे यात्री का बाल गिर गया होगा. मद्रास हाई कोर्ट ने कहा कि एयर इंडिया खुद अपनी बातों में उलझी हुई है—एक ओर कहती है कि शिकायत नहीं हुई, दूसरी ओर मानती है कि शिकायत की गई थी. कोर्ट ने कहा कि एयर इंडिया ने खुद स्वीकार किया है कि खाने में बाल मिला था, इसलिए यह स्पष्ट लापरवाही का मामला है.

एयर इंडिया ने जवाब में कहा कि सुंदरपरिपोरानम उनके नियमित यात्री हैं और ऐसी घटना पहले कभी नहीं हुई। उन्होंने यह भी कहा कि केटरिंग का काम चेन्नई के फाइव स्टार होटल एम्बेसडर पल्लवा को दिया गया था। इसलिए अगर यात्री ने होटल को केस में शामिल नहीं किया, तो एयर इंडिया जिम्मेदार नहीं मानी जा सकती। एयरलाइन ने यहां तक कहा कि शायद खाने में जो बाल था, वो यात्री या फिर सह-यात्री का ही हो सकता है।

फेंटेनाइल पर सख्त अमेरिका

वाशिंगटन.

अमेरिका के लिए हाल के वर्षों में एक ड्रग जिसका नाम फेंटेनाइल है, भारी सिरदर्द बन चुका है. इसको लेकर राजनीतिक और सुरक्षा हलकों में जबरदस्त हलचल है. ट्रंप प्रशासन के बॉर्डर जार टॉम होमैन ने तो यहाँ तक कहा है कि इस ड्रग को विनाश का हथियार यानी वेपन ऑफ़ मास्स डिस्ट्रक्शन डब्ल्यूएमडी घोषित करने पर कम से कम चर्चा तो होनी चाहिए.

होमैन के मुताबिक, छह महीने पहले उन्होंने डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी की एक मीटिंग में हिस्सा लिया था, जहाँ फेंटेनाइल को डब्ल्यूएमडी घोषित करने पर चर्चा हुई थी. उनका कहना है कि यह प्रस्ताव आगे बढ़ाने की बात हुई थी, पर वह अब नहीं जानते कि मामला कहाँ तक पहुँचा. इस विचार के पीछे तर्क यह है कि अगर कोई आतंकवादी समूह या विदेशी दुश्मन फेंटेनाइल का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर करे, तो यह हजारों लोगों की जान एक झटके में ले सकता है. सवाल उठता है कि आखिर अमेरिका फेंटेनाइल के पीछे इतना क्यों पड़ा है?

दरअसल फेंटेनाइल कोई साधारण ड्रग नहीं है. ये एक सिंथेटिक ओपिओइड है जो मॉर्फिन से लगभग 50 गुना और हेरोइन से करीब 100 गुना ज्यादा ताकतवर है.

इसकी कुछ मिलीग्राम मात्रा भी इंसान की जान ले सकती है. 2024 में अमेरिकी ड्रग एन्फोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन ने 380 मिलियन से ज्यादा जानलेवा डोज जब्त कीं, यानी इतनी मात्रा कि अमेरिका की पूरी आबादी को एक बार में मार सके. यही वजह है कि फेंटेनाइल को अब सिर्फ ड्रग नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे के रूप में देखा जा रहा है.

बसपा से निकाले गए शमसुद्दीन रायनी

> मायावती ने उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली.

बसपा सुप्रीमो मायावती ने ऐकशन लिया है। कद्दावर मुस्लिम नेता शमसुद्दीन रायनी को बसपा से निष्कासित कर दिया गया है । बसपा पार्टी ने उन्हें गुटबाजी व पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने का आरोप में उन्हें बसपा सुप्रीमो मायावती के निर्देश पर निकाला गया है ।

नसीमुद्दीन सिद्दीकी के बाद बसपा में रायनी बड़े मुस्लिम नेता माने जाते हैं । पार्टी संगठन में बदलाव व फेरबदल से पहले निष्क्रिय और पार्टी विरोधी

गतिविधियों में शामिल नेताओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है । बर्खास्त किए गए शमसुद्दीन रायनी लखनऊ और कानपुर मंडल के प्रभारी थे। इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष ने बयान जारी कर दिया गया है। जारी किए गए बयान में कहा गया है कि रायनी पार्टी में गुटबाजी और अनुशासनहीनता कर रहे थे। उन्हें इस संबंध में चेतावनी भी दी गई लेकिन उन्होंने कार्यशैली में सुधार नहीं किया। ऐसे में उन्हें बसपा से निष्कासित कर दिया गया है। बसपा में ये कद्दावर मुस्लिम नेता माने जाते थे कुछ दिनों से इनकी शिकायते मिल रही थी।

आपको बता दें कि बसपा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारियों में जुट गई है। बसपा पार्टी संगठन को मजबूत करने में जुट गई है और वह हर हाल में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने पर जोर दे रही है। प्रदेश के पदाधिकारियों की बैठक के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने 19 अक्तूबर को बसपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक कर आगे की रणनीति तय की है। वहीं बसपा पार्टी में फेरबदल भी जारी है।

किसानों की मदद के लिए धन की कोई कमी नहीं

> मुख्यमंत्री मोहन यादव का आश्वासन

भोपाल.

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इस साल अतिवृष्टि और बाढ़ के कारण किसानों की फसल को नुकसान हुआ. पीला मोजैक और कीट प्रकोप ने भी किसानों को परेशानी में डाला. इसी तरह बारिश के कारण जनहानि, पशुहानि और मकान क्षति से भी किसानों को पीड़ा हुई. ऐसे कठिन हालातों में सरकार ने किसानों को संबल देने में कोई कमी नहीं रखी.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि अतिवृष्टि, बाढ़, कीट प्रकोप से फसल/ मकान क्षति की परेशानियों से जूझ रहे प्रदेश के 23 लाख 81 हजार से अधिक प्रभावित किसानों को अब तक लगभग 1802 करोड़ रुपए की राहत राशि वितरित की जा चुकी है. उन्होंने बताया कि आरबीसी 6(4) के तहत दी गई इस राहत राशि से किसानों को फिर से खड़ा होने में बेहद मदद मिली है.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अन्नदाता किसानों के लिए सरकार के खजाने में धन की कोई कमी नहीं है. प्रदेश के हर जरूरतमंद किसान को तत्परतापूर्वक सरकार का साथ, सहयोग और संबल दिया जा रहा है. उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 में 1590.74 करोड़ रुपए, वित्त वर्ष 2022-23 में 726.15 करोड़ रुपए और वित्त वर्ष 2023-24 में 758.62 करोड़ रुपए राहत राशि सरकार द्वारा वितरित की गई थी. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि अतिवृष्टि हो या बाढ़, कीट व्याधि हो या कोई और प्राकृतिक आपदा, किसान हर मौसम में फसल नुकसानी का जोखिम उठाते हैं. फसल नुकसानी हुई, तो घर की साल भर की अर्थव्यवस्था बिगड़ जाती है. हमारी सरकार किसानों को ऐसे हालात में कभी अकेला नहीं रहने देगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की हर कठिनाई में सरकार उनके साथ है.

किसानों का सुख ही प्रदेश का सुख है

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों की सरकार है. किसानों का दु:ख पूरे प्रदेश का दु:ख है और किसानों के सुख से ही प्रदेश का सुख है. किसानों को हर जरूरी मदद और राहत राशि देने में हम कभी कोई कमी नहीं करेंगे. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए सभी कदम उठाए हैं. हमारी सरकार ने किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी, बिजली, शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण, फसलों पर समर्थन मूल्य और फसल बीमा की राशि का समय पर अंतरण किया है. इससे प्रदेश के किसान भाइयों के मन में एक नया विश्वास, एक नई उम्मीद जागी है.